सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" संस्कार भी एक वसीयत की तरह है
जो दुनिया को बताती है कि हमारे पूर्वजों ने हमें क्या दिया है...!!
अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-296 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, मंगलवार 17 नवंबर 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

रॉक गार्डन बोतल्दा में युवती से गैंगरेप और लूट, 24 घंटे में दोनों आरोपी गिरफ्तार



नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

जिले के खरसिया थाना क्षेत्र के रॉक गार्डन बोतल्दा में युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म और लूट की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। युवती की शिकायत पर खरसिया पुलिस ने 24 घंटे के भीतर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार 14 नवंबर को पीड़िता अपने मित्र के साथ सक्ती रेलवे स्टेशन जाने के लिए निकली थी। ट्रेन लेट होने पर दोनों खरसिया के रॉक गार्डन बोतल्दा घूमने चले गए। वहां दो युवकों ने उन्हें रोका, डरा-धमकाकर लूटपाट की और मित्र के साथ डंडे से मारपीट कर उसे बेहोश कर दिया। इसके बाद युवती के साथ बारी-बारी से दुष्कर्म किया और घटना का वीडियो बनाकर धमकी दी।

रिपोर्ट वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के संज्ञान में आते ही एसडीओपी सतीश भार्गव और थाना प्रभारी सीताराम ध्रुव को तत्काल गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए। पुलिस ने स्थानीय पूछताछ और फोटो से पहचान के आधार पर दोनों को हिरासत में लिया। घटनास्थल का पुनर्निर्माण भी कराया गया।

गिरफ्तार आरोपी में राहुल पटेल (21 वर्ष) पिता खुलेश्वर पटेल, निवासी बोतल्दा, डभरा शारडा कंपनी में कार्यरत और फनेश्वर प्रसाद पटेल (20 वर्ष) पिता कुसुम प्रसाद पटेल, निवासी बोतल्दा, चपले रड कंपनी में लेबर पुलिस ने फनेश्वर से वीडियो बनाने वाला आईफोन और 1,500 रुपये तथा राहुल से 3,000 रुपये और वारदात में प्रयुक्त डंडा जब्त किया है। मोबाइल जांच में अन्य युवतियों के फोटो-वीडियो भी मिले हैं, जिसकी जांच की जा रही है।

दोनों के खिलाफ अपराध क्रमांक 597/2026 धारा 109, 309(6), 70 बीएनएस के तहत गिरफ्तार कर रिमांड पर भेजा गया है। एसएसपी शशि मोहन सिंह ने कहा कि महिलाओं के विरुद्ध अपराधों पर रायगढ़ पुलिस त्वरित और कठोर कार्रवाई करेगी। कार्रवाई में प्रशिक्षु एसआई मुकेश कुमार सिन्हा, प्रधान आरक्षक रामनाथ बनर्जी सहित खरसिया पुलिस स्टाफ की अहम भूमिका रही।

शराब आरोपियों को 1.5 लाख लेकर छोड़ा, 6 पुलिसकर्मी सस्पेंड

जांजगीर-चांपा। शराब के आरोपी को पैसे लेकर छोड़ने के मामले में जिले में बड़ी कार्रवाई हुई है। एसपी विजय कुमार पांडेय ने थाना सारागांव के एक प्रशिक्षु सब इंस्पेक्टर समेत 6 पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जारी आदेश के अनुसार 4 नवंबर 2026 को धारा 36(ब) आबकारी एक्ट के आरोपी गोपाल गोंड से रकम की लेन-देन का मामला सामने आया था। इस मामले की जांच नगर पुलिस अधीक्षक जांजगीर से कराई गई। जांच में लेन-देन प्रमाणित पाया गया। प्रथम दृष्टया आरोप प्रमाणित होने पर प्रशिक्षु उप निरी. पुषेन्द्र साहू, प्र.आर. 361 अर्जुन जांगड़े, आर. 22 दीपक सिंह, आर. 05 शंकर जयकिशन, आर. 495 सुनील रमन, आर. 11 गोवर्धन टाईगर सभी थाना सारागांव को निलंबित किया गया है।

राहुल और प्रियंका गांधी हुए भावुक, मां सोनिया गांधी की किताब 'बिलॉन्गिंग : ए जर्नी ऑफ लव' का किया विमोचन

अपनी मां को याद करते हुए कहा कि बचपन से मां की गर्मजोशी, उनकी हंसी और विपरीत परिस्थितियों में उनके संघर्ष ने उन्हें जीवन की सबसे बड़ी सीख दी : राहुल गांधी

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी की जीवन यात्रा पर आधारित पुस्तक 'बिलॉन्गिंग: ए जर्नी ऑफ लव' का औपचारिक विमोचन सोमवार को नई दिल्ली में किया गया। इस मौके पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा भावुक नजर आए।

विमोचन समारोह में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, गठबंधन दलों के प्रतिनिधि और परिवार के करीबी सदस्य मौजूद रहे। राहुल गांधी ने अपनी मां को याद करते हुए कहा कि बचपन से मां की गर्मजोशी, उनकी हंसी और विपरीत परिस्थितियों में उनके संघर्ष ने उन्हें जीवन की सबसे बड़ी सीख दी है। यह किताब सिर्फ एक जीवन कथा नहीं, बल्कि प्रेम, त्याग और दृढ़ता की यात्रा है।

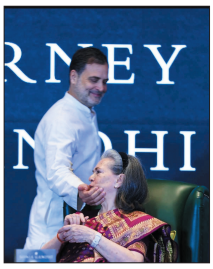

प्रियंका गांधी ने भी मंच से अपनी भावनाएं साझा कीं। उन्होंने कहा कि मां ने हमेशा परिवार को एकजुट रखा और हर मुश्किल में मजबूती से खड़ी रहीं। समारोह में सोनिया गांधी ने सभी अतिथियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि आप सभी ने यहां आकर जो प्यार और स्नेह दिया है, उसने इस पल को हमारे लिए बेहद खास बना दिया है।

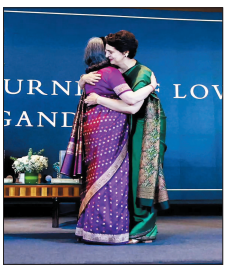

बताया जा रहा है कि इस पुस्तक में सोनिया गांधी के इटली से भारत तक के सफर, इंदिरा गांधी परिवार से जुड़ाव और राजनीतिक जीवन के अनछुए पहलुओं का जिक्र है।

पटवारी-आरआई परीक्षा पेपर लीक में दो सगे भाई दिल्ली से हुए गिरफ्तार

ईओडब्ल्यू ने 8 दिन की रिमांड पर लिया, 23 नवंबर को होगी पेशी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

वर्ष 2024 में आयोजित पटवारी से राजस्व निरीक्षक पदोन्नति परीक्षा के पेपर लीक मामले में एसीबी-ईओडब्ल्यू ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को दिल्ली से गिरफ्तार किया है।

जांच एजेंसी ने मध्यप्रदेश के भिंड निवासी वीर सिंह जाटव (35) और अरविंद जाटव (41) को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि प्रश्नपत्र मुद्रण समिति से जुड़े सह-आरोपी वीरेंद्र जाटव के साथ मिलकर आपराधिक षड्यंत्र रचा और गोपनीयता भंग कर प्रश्नपत्र पहले ही अभ्यर्थियों को उपलब्ध करा दिया, जिसके बदले मोटी रकम वसूली गई।



कार्यपालिक दंडाधिकारी की मौजूदगी में कराई गई शिनाख्त परेड में परीक्षा में शामिल पटवारियों ने दोनों की पहचान पेपर लीक कराने, तैयारी के लिए स्थान उपलब्ध कराने और अवैध वसूली करने वालों के रूप में की है। आरोपियों को विशेष कोर्ट में पेश कर 8 दिन की पुलिस रिमांड ली गई है। उन्हें 23 नवंबर को फिर कोर्ट में पेश किया जाएगा। आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 (सी) और आईपीसी की धारा 420, 467, 468, 471, 120-बी के तहत अपराध क्रमांक 64/2025 दर्ज है।

गौरतलब है कि राजस्व निरीक्षक विभागीय परीक्षा 7 जनवरी 2024 को आयुक्त भू-अभिलेख द्वारा आयोजित की गई थी, जिसमें 216 अभ्यर्थियों का चयन हुआ था। अनियमितताओं पर राजस्व विभाग की उच्चस्तरीय जांच के बाद मामला ईओडब्ल्यू-एसीबी को सौंपा गया था।

एमजी रोड चौपाटी पर सख्ती, रात 9 से 1 बजे तक ही लगेगी दुकान



रायपुर। राजधानी के एमजी रोड में रात्रिकालीन चौपाटियों से हो रही यातायात बाधा और गंदगी को लेकर पुलिस कमिश्नरेट ने सख्त रुख अपनाया है। रविवार शाम यातायात सभागार में पुलिस, नगर निगम, एमजी रोड व्यापारी संघ और चौपाटी संचालकों की संयुक्त बैठक हुई। बैठक में ट्रैफिक डीसीपी डॉ. अर्वना झा, एडिशनल डीसीपी रामकुमार बर्मन, स्नेहिल साहू, एसीपी रमेश येरेवार, नगर निगम के नगर निवेशक आभाष मिश्रा, जोन-2 कमिश्नर पीडी घृतलहरे सहित व्यापारी संघ अध्यक्ष महेंद्र तलरेजा मौजूद रहे। बैठक में स्पष्ट किया गया कि एमजी रोड की सभी चौपाटियां सिर्फ रात 9 बजे से 1 बजे तक ही संचालित होंगी। स्थायी दुकानों के शटर बंद होने के बाद ही चौपाटी लगेगी। किसी भी दुकानदार पर शटर बंद करने का दबाव नहीं बनाया जाएगा। संचालकों को अपनी दुकान और आसपास की सफाई, गीले-सूखे कचरे के लिए अलग डस्टबिन रखना अनिवार्य किया गया है। सड़क और फुटपाथ पर कुर्सी-टेबल लगाकर अतिक्रमण करने पर रोक लगाई गई है। ग्राहकों के वाहनों की पार्किंग की जिम्मेदारी भी संचालकों की होगी, मुख्य सड़क पर पार्किंग नहीं कराई जाएगी। डीसीपी अर्वना झा ने चेतावनी दी कि नियम तोड़ने, गंदगी फैलाने या अव्यवस्थित पार्किंग की शिकायत पर सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी और जरूरत पड़ने पर चौपाटी को स्थायी रूप से बंद भी किया जा सकता है।

8वीं बटालियन के जवान की मौत पर हत्या का शक, परिजन करेंगे जांच की मांग

बेटे ने कहा - पिता की मौत के बाद खाते से निकले 30 हजार, एटीएम-पासबुक गायब

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

8वीं बटालियन के जवान राजू तुरकुने की संदिग्ध मौत के मामले में परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। परिजन 2-3 दिन में राजनांदगांव पहुंचकर लिखित ज्ञापन सौंपेंगे।

शार्ट पीएम रिपोर्ट में मौत जहर सेवन से होना बताया गया है। शुरू से ही मामला आत्महत्या है या हत्या, इसे लेकर संशय बना हुआ है। मृतक के बेटे राहुल तुरकुने ने बताया कि पिता की मौत 26 अक्टूबर की रात करीब 9 बजे किल्लापारा निवासी सावित्री बाई के घर पर हुई थी। उन्हें पेंडी स्थित मेडिकल अस्पताल ले जाया गया, जहां मृत घोषित कर दिया गया। मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ, फिर भी पुलिस ने इसे हत्या के नजरिए से नहीं देखा।

राहुल ने बताया कि घटना के बाद जब वह भाई के साथ राजनांदगांव आया तो घटनास्थल से गाड़ी की चाबी और कपड़े मिले। बटालियन स्थित आवास पर एसबीआई की चेकबुक मिली, लेकिन एटीएम और पासबुक गायब थी। बैंक स्टेटमेंट निकालने पर पता चला कि पिता की मौत के बाद 29 अक्टूबर, 2 नवंबर और 7 नवंबर को तीन बार में करीब 30 हजार रुपए निकाले गए। जबकि राजू बटालियन में अकेले रहते थे, उनका परिवार मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले के ग्राम कामठी में रहता है।

राहुल ने कहा कि इसकी पूरी जानकारी बसंतपुर पुलिस को दी गई है। पिता को किसी तरह का तनाव नहीं था, वे खुश थे, ऐसे में आत्महत्या का सवाल ही नहीं। यह हत्या है, इसकी जांच होनी चाहिए।

महासमुंद जेल की 20 फीट दीवार फांदकर 4 कैदी फरार, सुरक्षा पर सवाल

सोमवार तड़के 3:55 बजे की घटना, कंबल बांधकर भागे - 2021 की घटना दोहराई

नई दृष्टिबिंदु / महासमुंद

जिला जेल की सुरक्षा में बड़ी चूक सामने आई है। एक ही बैरक में बंद 5 में से 4 विचाराधीन कैदी 20 फीट ऊंची दीवार फांदकर फरार हो गए। जेल प्रशासन को भनक तक नहीं लगी।

जानकारी के अनुसार सोमवार तड़के करीब 3:55 बजे बैरक में बंद धर्मवीर, लीलाधर, राजेंद्र और पंचराम ने फरार होने की योजना बनाई। इनमें तीन एनडीपीएस एक्ट और एक चोरी के मामले में बंद था। कैदियों ने कंबल बांधकर दीवार फांदी। बताया जा रहा है कि 8 मई 2021 को भी इसी तरह कंबल के सहारे कैदी भागे थे। करीब साढ़े पांच साल बाद फिर वही तरीका दोहराया गया। फरार कैदियों में दो मध्यप्रदेश, एक राजस्थान और एक छत्तीसगढ़ का निवासी है। उसी बैरक में बंद पांचवें कैदी ने घटना की जानकारी दी।

घटना के बाद रायपुर आईजी समेत वरिष्ठ अधिकारियों ने जेल का निरीक्षण किया। जेल अधीक्षक पूजा तिर्की ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज खंगाला जा रहे हैं। पुलिस ने जिले के सभी नाकों, ग्रामीण इलाकों और ओडिशा सीमा पर नाकेबंदी कर तलाशी शुरू कर दी है। इस घटना ने जेल की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वॉच टावर पर ताला और पहरेदारों की लापरवाही को लेकर जांच की मांग उठ रही है।

अडानी कंपनी के विस्तार का छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना ने किया विरोध

स्थानीय युवाओं को रोजगार नहीं, मजदूर की जान की कीमत 2-3 लाख लगाने का आरोप

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-खरोरा

छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना ने रायखेड़ा स्थित अडानी कंपनी के प्रस्तावित विस्तार का कड़ा विरोध किया है। संगठन ने कहा कि औद्योगिक विकास के नाम पर स्थानीय ग्रामीणों, किसानों और मजदूरों के हितों से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं होगा।

सेना का आरोप है कि स्थानीय युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा, बाहरी मजदूरों को रखा जा रहा है। मजदूर की मौत पर 2 से 3 लाख रुपए में मामला निपटाने का प्रयास किया जाता है। संगठन ने सवाल उठाया कि क्या मजदूर की जान की कीमत सिर्फ इतनी है।

भारी वाहनों से आए दिन सड़क हादसे हो रहे हैं, ट्रैफिक व्यवस्था नहीं है। पर्यावरण प्रदूषण से तापमान बढ़ रहा है, खेती प्रभावित हो रही है, फसल उत्पादन घट रहा है, भूजल स्तर गिर रहा है और गंदे पानी से कृषि भूमि खराब हो रही है। स्वास्थ्य समस्याएं और अवैध शराब बिक्री की शिकायतें भी हैं। सेना ने अमित बघेल की गिरफ्तारी को छत्तीसगढ़िया आवाज दबाने का प्रयास बताया और कहा कि जल-जंगल-जमीन और स्थानीय अधिकारों की आवाज उठाने पर षड्यंत्र के तहत निशाना बनाया जा रहा है।

प्रमुख मांगें - विस्तार पर रोक लगे, स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता मिले, मजदूरों की सुरक्षा और मृतकों के परिवारों को उचित मुआवजा मिले, भारी वाहनों के लिए अलग मार्ग और ट्रैफिक व्यवस्था हो, प्रदूषण और भूजल की स्वतंत्र जांच हो और ग्रामीणों के स्वास्थ्य शिविर लगें।

सड़क निर्माण में तेजी लाएं, गुणवत्ता से समझौता नहीं - मंत्री गजेन्द्र यादव

जेल तिराहा से मिनीमाता चौक और महाराजा चौक से बोरसी चौक तक फोरलेन का किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

केबिनेट मंत्री एवं दुर्ग विधायक गजेन्द्र यादव ने आज दुर्ग विधानसभा क्षेत्र में प्रगतिरत सड़क निर्माण कार्यों का स्थल निरीक्षण कर निर्माण की प्रगति, गुणवत्ता एवं कार्यों की वर्तमान स्थिति का जायजा लिये।

मंत्री गजेन्द्र यादव ने जेल तिराहा से मिनीमाता चौक तथा महाराजा चौक से बोरसी चौक तक निर्माणाधीन फोरलेन सड़क के विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण किये। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों से कार्य की वर्तमान स्थिति, अब तक पूर्ण किए गए कार्यों तथा आगामी कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने निर्माण में उपयोग की जा रही सामग्री की गुणवत्ता निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित करने तथा तकनीकी मापदंडों का पूरी गंभीरता से पालन करने के निर्देश दिए।



निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री यादव ने बोरसी तालाब के समीप सड़क की चौड़ाई बढ़ाने के लिए किए जा रहे कार्यों का अवलोकन किये। उन्होंने सड़क की प्रस्तावित चौड़ाई, निर्माण की प्रगति एवं संबंधित तकनीकी पहलुओं की जानकारी लेते हुए कार्य को निर्धारित योजना के अनुरूप पूर्ण करने कहा। वहीं जेल तिराहा से महाराजा चौक तक सड़क किनारे नाली निर्माण एवं पाइपलाइन शिफ्टिंग के कार्यों का भी निरीक्षण किये। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण के साथ-साथ नाली निर्माण, पाइपलाइन शिफ्टिंग एवं अन्य आवश्यक कार्यों को आपसी समन्वय के साथ पूरा किया जाए, ताकि भविष्य में सड़क को दोबारा खोदने की स्थिति निर्मित न हो और नागरिकों को लंबे समय तक बेहतर सुविधा मिल सके।

उन्होंने संबंधित अधिकारी कार्यों की प्रगति पर लगातार नजर रखें तथा जहां भी किसी प्रकार की तकनीकी, प्रशासनिक अथवा अन्य बाधा आ रही है, उसका तत्काल निराकरण कर निर्माण कार्यों को गति प्रदान करें। केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि सड़क निर्माण के दौरान आम नागरिकों को आवागमन में परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। निर्माणाधीन हिस्सों में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए जाएं तथा वैकल्पिक मार्गों को सुचारु एवं व्यवस्थित रखा जाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ा रही है। दुर्ग विधानसभा क्षेत्र में भी सड़क, नाली, पेयजल, विद्युत एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।



जनजातीय गौरव दिवस पर जिला स्तरीय भव्य आयोजन, बिरसा मुंडा को किया नमन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पर महात्मा गांधी कला मंदिर भिलाई में जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस का भव्य आयोजन किया गया। सांसद विजय बघेल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित समारोह में बिरसा मुंडा के जीवन, साहस और बलिदान को याद किया गया और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई।

मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल ने कहा कि जैसे महात्मा गांधी को राष्ट्रपिता कहा जाता है, वैसे ही बिरसा मुंडा को धरती का पिता कहा जाता है। एक साधारण आदिवासी परिवार में जन्मे बिरसा ने अल्पायु में ही ब्रिटिश हुकूमत से लोहा लिया। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज आदिकाल से भगवान राम और महाभारत युग से ही देश की संस्कृति का मुख्य आधार रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प से नक्सलवाद को खत्म कर आदिवासी क्षेत्रों में विकास पहुंचाया जा रहा है।

सांसद विजय बघेल बोले- आदिवासी समाज आदिकाल से देश की संस्कृति का आधार, हितग्राहियों को बांटे प्रमाण पत्र





दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि जनजाति समाज का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे और कोई भी युवा अवसरों के अभाव में पीछे न छूटे। उन्होंने पीएम जनमन योजना, धरती आबा अभियान और एकलव्य विद्यालयों का उल्लेख किया। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने कहा कि बिरसा मुंडा ने हमें जल, जंगल, जमीन के साथ जीवन का आधार दिया।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने बताया कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत धमधा ब्लॉक के सेमरिया, नवागांव, डंगनिया और पाटन के अकतई गांव में आयुष्मान, जनधन, उज्ज्वला सहित विभिन्न योजनाओं से लाभ दिया जा रहा है। कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को प्रमाण पत्र बांटे गए। इस अवसर पर संभाग आयुक्त सत्यनारायण राठौर, जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, पूर्व मंत्री रमशीला साहू, पूर्व विधायक सांवलाराम डहरे, पद्मश्री उषा बारले सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

खास खबर

छठ महापर्व पर कोहका भेलवा तालाब में जनसेवा पलाश घोष के नेतृत्व में चला सेवा स्टॉल



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

लोक आस्था के महापर्व छठ के पावन अवसर पर कोहका भेलवा तालाब में श्रद्धालुओं के लिए भव्य सेवा स्टॉल का आयोजन किया गया। यह सेवा कार्य भारतीय जनता युवा मोर्चा के पूर्व संयोजक पलाश घोष के नेतृत्व में किया गया।

इस सेवा स्टॉल में छठ घाट पर आए हजारों श्रद्धालुओं के लिए चाय, प्रसाद एवं शरबत की निःशुल्क व्यवस्था की गई थी। देर रात तक कार्यकर्ता घाट पर डटे रहे और श्रद्धालुओं की सेवा में लगे रहे। इस अवसर पर प्रमुख रूप से भाजपा प्रदेश संवाद प्रमुख - झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ एवं जनहित संघर्ष समिति सुपेला-भिलाई के संयोजक शारदा प्रसाद गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने सभी छठ व्रतियों को छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर प्रमुख रूप से निशु पांडे, शत्रुघन पंडित, सुभाष शर्मा सहित प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित थे। सभी कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर घाट पर आए श्रद्धालुओं की सेवा की। श्री गुप्ता ने कहा कि "छठ महापर्व सूर्य उपासना और लोक आस्था का प्रतीक है। ऐसे पावन पर्व पर जनसेवा करना ही सच्ची ईश्वर सेवा है। पलाश घोष और उनकी पूरी युवा टीम बधाई की पात्र है।" श्रद्धालुओं ने इस जनसेवा कार्य की मुक्तकंठ से सराहना की।

साहित्य और संगीत का अनूठा संगम

पहचान लिंग से नहीं, बल्कि व्यक्तित्व, प्रतिभा और कर्मों से होती है : सांसद विजय बघेल

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग



ऐतिहासिक साहित्यिक चेतना मंच के तत्वावधान में तृतीय लिंग समुदाय के सम्मान समारोह एवं अखिल भारतीय काव्य गोष्ठी का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया। सामाजिक समरसता, समानता, मानवीय संवेदना और आपसी भाईचारे को समर्पित इस अनूठे आयोजन में देश के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे साहित्यकारों, कवियों, शायरों, जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, समाजसेवियों एवं गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की। लगभग 100 से 150 लोगों की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में सम्मान, साहित्य और संगीत का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय बघेल थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के कमांडेंट विवेक श्रीवास्तव उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नागपुर से पधारे राष्ट्रीय गायक शकील अली ने की।

इस अवसर पर सांसद विजय बघेल ने अपने उद्बोधन में तृतीय लिंग समुदाय के प्रति सम्मान और संवेदनशीलता व्यक्त करते हुए कहा कि आज वे जिस मुकाम पर हैं, उसमें गुरु माता का आशीर्वाद भी महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने गुरु माता के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए कहा कि समाज में प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान और समान अवसर मिलना चाहिए। किसी भी व्यक्ति की पहचान उसके लिंग के आधार पर नहीं, बल्कि उसके व्यक्तित्व, प्रतिभा और कर्मों से होनी चाहिए। उन्होंने इस प्रकार के आयोजन को सामाजिक बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

बीएसएफ कमांडेंट विवेक श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में तृतीय लिंग समुदाय के सदस्यों के लिए रोजगार एवं सम्मानजनक अवसरों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस विभाग सहित विभिन्न क्षेत्रों में तृतीय लिंग समुदाय के लोगों के लिए भर्ती एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं। उन्होंने समाज के प्रत्येक वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया।

आयोजन का सबसे भावुक क्षण उस समय आया, जब तृतीय लिंग समुदाय के सदस्यों को मंच पर आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर कई सदस्य भावुक हो उठे। उनके चेहरों पर खुशी और आत्मसम्मान का भाव स्पष्ट दिखाई दिया। सम्मानित होने वालों में गुरु माता जया राजपूतिया, शबनम, जय शिखा, शोभना, प्रीति, निशा, नंदनी, छुटकी, जोया, शालू और रिया सहित दुर्ग की अनेक सदस्य शामिल रहीं। वहीं रायपुर से विद्या राजपूत, दीव नाथ और जोया सहित अन्य सदस्यों का भी सम्मान किया गया। यह सम्मान केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि समाज के इस वर्ग के अस्तित्व, संघर्ष, प्रतिभा और आत्मसम्मान को स्वीकार करने का सार्थक प्रयास रहा। कार्यक्रम की संगीतमय प्रस्तुति में नागपुर से आए राष्ट्रीय गायक शकील अली ने अपनी शानदार गायकी से समां बांध दिया। उनके मधुर गीतों पर सभागार में मौजूद श्रोता झूम उठे। संगीत की इस प्रस्तुति ने समारोह को विशेष आकर्षण प्रदान किया।

काव्य गोष्ठी में मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से पहुंचे राष्ट्रीय स्तर के कवियों और शायरों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को भावविभोर किया। राष्ट्रीय शायर वीरेंद्र कुमार हलचल बालाघाट-कटंगी एवं खुर्शीद आलम जबलपुरी ने अपनी प्रस्तुतियों से विशेष प्रभाव छोड़ा। इसके अलावा रायपुर से मोहम्मद हुसैन मजाहिर, भाटापारा से डॉ. ललित सिंह ठाकुर, सरोजिनी यदु एवं डॉ. निवेदिता वर्मा 'मेधा', रिसामा से डॉ. कल्याण कुमार तथा बलौदी से राजनारायण कुमार सहित अनेक रचनाकारों ने काव्य पाठ किया। दुर्ग-भिलाई एवं आसपास के क्षेत्रों से कवि हिमाचल कुमार पुरदा, डॉ. नरेंद्र देशमुख, बैकुंठ महानंद 'देवभूई', टी.आर. कोशरिया 'अलकरहा', प्रकाश चंद्र मंडल, सुशील यादव, फिरीतराम पटेल, डॉ. बीना सिंह गागी, राकेश गुप्ता रूसिया, घनश्याम सोनी, सेवंत देशमुख, डॉ. नौशाद अहमद सिद्दीकी, नीलम जायसवाल, रियाज गौहर, संध्या जैन राज, संध्या जैन महक, ओमवीर करण, डॉ. कल्याण सिंह साहू, सुरेश बंछोर, राजनारायण, डॉ. यशवंत 'यश' सूर्यवंशी तथा अंतरराष्ट्रीय शायर मुमताज साहब ने अपनी रचनाओं से आयोजन को साहित्यिक ऊंचाई प्रदान की।

20 हजार पर 30 प्रतिशत साप्ताहिक ब्याज वसूली, फरार आरोपी गिरफ्तार



पीड़िता का कोरा चेक बरामद, तीन आरोपी पहले ही जा चुके हैं जेल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

पति के इलाज के लिए 20 हजार रुपए उधार लेकर 30 प्रतिशत साप्ताहिक ब्याज वसूलने और मारपीट कर धमकी देने के मामले में भिलाई भट्ठी पुलिस ने फरार महिला आरोपी प्रीति तांडी को गिरफ्तार किया है। इस प्रकरण में पूर्व में तीन आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है।

थाना भिलाई भट्ठी में प्रार्थिया रेखा ताण्डी निवासी सुपेला ने 19 सितंबर को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि पति की तबीयत खराब होने पर उसने पूजा राव उर्फ वेंकट लक्ष्मी राव से 20 हजार रुपए साप्ताहिक 30 प्रतिशत ब्याज पर उधार लिए थे। एकमुश्त रकम नहीं दे पाने पर पूजा राव अपने पुत्र व साथियों के साथ उसे उपचार के बहाने कार में बैठाकर अपने घर ले गई, जहां प्रार्थिया और उसके बेटे के साथ गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी दी गई।

पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर पूजा राव, चंदन राव और प्रवीण शर्मा को 20 सितंबर को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया था। फरार चल रही प्रीति तांडी (20) निवासी उड़िया बस्ती, रायपुर नाका दुर्ग को 16 नवंबर को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। पुलिस ने प्रार्थिया का कोरा चेक और संबंधित दस्तावेज बरामद किए हैं। कार्रवाई में थाना प्रभारी धीरेन्द्र नाथ दुबे, प्रधान आरक्षक पुरुषोत्तम साहू, आरक्षक आशीष प्रसाद और अमित सिंह की भूमिका रही।

निधन

केपी सिंह



भिलाई। एचएसएसीएल के पूर्व मैनेजर, सेक्टर 8 सड़क 28 क्वार्टर नंबर 6 बी निवासी, क्षत्रिय कल्याण सभा भिलाई नगर के आजीवन सदस्य के.पी. सिंह का कोयंबतूर में आकस्मिक निधन हो गया। वे छठ पर्व के अवसर पर अपनी बेटी के पास गए थे वहीं अचानक तबियत बिगड़ी और अस्पताल में इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया वे 70 साल के थे! उनका अंतिम संस्कार मंगलवार को दोपहर 2 बजे रामनगर मुक्ति धाम में किया गया वे अजीत सिंह अमित सिंह किरण सिंह पूनम सिंह के पिता थे।

मनीष मिश्रा



भिलाई। पाटन ब्लॉक के ग्राम मर्रा निवासी मनीष मिश्रा (बन्टी) पिता स्व. डॉ. अरुण मिश्रा का ग्लोबल स्टार अस्पताल रायपुर में निधन हो गया है। उनका अन्तिम संस्कार 17 नवंबर को ग्राम मर्रा मुक्तिधाम में किया गया। वे रजनीश मिश्रा के बड़े भाई थे।

नगर निगम के सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारियों को सम्मानपूर्वक दी गई विदाई

आयुक्त लीना कोसम ने शॉल-श्रीफल और प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग



नगर पालिक निगम दुर्ग के मोतीलाल सभागार में सोमवार को सेवानिवृत्त हुए 16 अधिकारी-कर्मचारियों के सम्मान में गरिमामय विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में निगम आयुक्त लीना कोसम, सभापति श्याम शर्मा, सामान्य प्रशासन विभाग प्रभारी मनीष साहू एवं पार्षदों ने सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारियों को शॉल, श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया। इस दौरान उनके सेवाकाल में किए गए समर्पण, निष्ठा एवं योगदान की सराहना करते हुए स्वस्थ, सुखमय एवं दीर्घायु जीवन की कामना की गई।

समारोह को संबोधित करते हुए आयुक्त लीना कोसम ने कहा कि जीवन के महत्वपूर्ण 30 से 40 वर्ष पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ शासकीय सेवा को देना अपने आप में गौरव और उपलब्धि की बात है। विभिन्न नियमों, प्रक्रियाओं और जनअपेक्षाओं के बीच अपने दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन करना सराहनीय है। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति जीवन का विराम नहीं, बल्कि एक नई और ऊर्जावान पारी की शुरुआत है। अब सभी सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारी अपने परिवार के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताएं, अपनी रुचियों को पूरा करें तथा स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें।

सभापति श्याम शर्मा ने कहा कि लंबे सेवाकाल के दौरान अधिकारी-कर्मचारियों ने जो अनुभव और ज्ञान अर्जित किया है, वह समाज के लिए बेहद उपयोगी है। सेवानिवृत्ति के बाद भी वे अपने अनुभवों के माध्यम से नागरिकों और युवाओं को उचित मार्गदर्शन देते रहें। उन्होंने कहा कि वर्षों की मेहनत, निष्ठा और समर्पण के बाद इस तरह सम्मानपूर्वक विदाई मिलना उनके सेवाभाव का सच्चा सम्मान है।

सेवानिवृत्त होने वालों में थान सिंह यादव (राजस्व उप निरीक्षक), मनोहर गोस्वामी एवं शैलेंद्र दुबे (सहायक राजस्व निरीक्षक), सुरेश भारती (स्वच्छता निरीक्षक), विष्णु यादव, सरस्वती बंछोर, बेनीराम जांगड़े, दिलीप शर्मा, साधना नायक, यशवंत साहू एवं कमलाबाई कुंभकार (भृत्य) तथा एसबु, राजकुमारी, मोहन राव, राकेश कुमार एवं उमा बाई (सफाई कामगार) शामिल रहे।

कार्यक्रम में पार्षद गुलाब वर्मा, खलीक रिजवी, सविता साहू, सहायक अभियंता हरिशंकर साहू, स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, संजय मिश्रा, अनिल सिंह, शशिकांत यादव सहित निगम के अधिकारी-कर्मचारी, सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिजन एवं विभिन्न विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहे।

एसपी विजय अग्रवाल ने किया सेवा सरिता भाग-2 पुस्तक का विमोचन

दिलीप ठाकुर के सेवा और रचनात्मक कार्यों का संकलन है पुस्तक, वृद्धाश्रम, केंद्रीय जेल व जिला चिकित्सालय में किए गए सेवा कार्यों को मिली जगह

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग



कसारीडीह स्थित प्रशांति मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में दुर्ग जिला पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने सेवा सरिता पुस्तक के भाग-2 का विमोचन किया। इस पुस्तक का संकलन जीवन दीप समिति के आजीवन सदस्य एवं श्री सत्य साई सेवा समिति के जिला चिकित्सा सेवा प्रभारी दिलीप ठाकुर द्वारा किया गया है। इसमें उनके द्वारा वृद्धाश्रम, केंद्रीय जेल, ग्रामीण क्षेत्रों एवं जिला चिकित्सालय में जरूरतमंदों की सेवा के साथ किए गए विभिन्न रचनात्मक एवं सामाजिक कार्यों का विवरण संकलित किया गया है।

उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व सेवा सरिता भाग-1 का विमोचन राजभवन में महामहिम राज्यपाल रमेन डेका के करकमलों से हुआ था। राज्यपाल ने पुस्तक में संकलित सेवा कार्यों की सराहना करते हुए इसे राजभवन के पुस्तकालय में रखने के निर्देश भी दिए थे। यह उपलब्धि पुस्तक के माध्यम से किए गए सामाजिक एवं सेवा कार्यों को मिली महत्वपूर्ण पहचान के रूप में देखी जा रही है।

सेवा सरिता भाग-2 में जरूरतमंदों के प्रति संवेदनशीलता, स्वास्थ्य सेवा, सामाजिक सरोकार और मानव सेवा के विभिन्न प्रयासों को शब्दों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। पुस्तक का उद्देश्य समाज में सेवा, सहयोग और समर्पण की भावना को प्रोत्साहित करना है।

इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर श्री सत्य साई सेवा समिति के सदस्यों, ओम सत्यम शिक्षण एवं जन विकास समिति के सदस्यों तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दिलीप ठाकुर को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सभी ने उनके सेवा कार्यों की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी तरह समाज के जरूरतमंद लोगों की सेवा करते रहने की कामना की।

घोरारी में 43 लीटर महुआ शराब के साथ महिला गिरफ्तार



दुर्ग। अवैध शराब बिक्री पर दुर्ग पुलिस की कार्रवाई जारी है। थाना रानीतराई पुलिस ने ग्राम घोरारी में 43 लीटर कच्ची महुआ शराब के साथ एक महिला को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा है।

पुलिस के अनुसार 15 नवंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम घोरारी में एक महिला अपने मकान में अवैध कच्ची महुआ शराब रखकर ग्राहक तलाश रही है। सूचना पर थाना प्रभारी हुबलाल चंद्राकर ने टीम गठित कर मौके पर दबिश दी। मौके पर महिला 11 नग सफेद प्लास्टिक डिब्बों में कुल 43 लीटर कच्ची महुआ शराब रखकर बिक्री के लिए ग्राहक का इंतजार करते मिली। पुलिस ने शराब (अनुमानित कीमत 6,450 रुपये) और बिक्री की रकम 450 रुपये जप्त की। आरोपिया की पहचान श्रीमती ऊषा गायकवाड (35 वर्ष) निवासी ग्राम घोरारी के रूप में हुई है। उसके खिलाफ थाना रानीतराई में अपराध क्रमांक 117/2026 धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर जेल भेजा गया।

कार्रवाई में एएसआई दिनेश्वर राजे, महिला प्रधान आरक्षक चंपा यादव तथा एसीसीयू टीम के आरक्षक दुष्यंत लहरें व वीरनारायण की सराहनीय भूमिका रही।

राष्ट्र सामाजिक सहअस्तित्व का सर्वोच्च प्रतीक है - डॉ. नवरंग



नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

हिंदी साहित्य मंडल ने राष्ट्रधर्म विषय पर किया विमर्श, काव्य प्रतियोगिता में तेजपाल सोनी प्रथम

छत्तीसगढ़ हिंदी साहित्य मंडल के तत्वावधान में बाल दिवस पर वृंदावन हॉल रायपुर में राष्ट्रधर्म-राजनीतिक कर्म विषय पर विमर्श एवं काव्य प्रतियोगिता आयोजित की गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त आईएएस डॉ. संजय अलंग थे। अध्यक्षता डॉ. हर्षवर्धन तिवारी ने की। विशिष्ट अतिथि डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग' थे। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष आचार्य अमरनाथ त्यागी, अंबर शुक्ला, डॉ. जेके डागर, डॉ. महेंद्र ठाकुर भी उपस्थित थे। मुख्य अतिथि डॉ. संजय अलंग ने कहा कि राष्ट्र मनुष्य नहीं, गवर्नमेंट बनाती है। राष्ट्र के साथ रहना ही राष्ट्र प्रेम है। राष्ट्रवाद केवल भावना नहीं, कार्रवाई है। जब किसी सोसायटी को राष्ट्र से जोड़ना है तो वंचना और निषेध को कम कर लोगों का समावेश बढ़ाना होगा।

विशिष्ट अतिथि डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग' ने कहा कि राष्ट्र सामाजिक सहअस्तित्व का सर्वोच्च प्रतीक और मानव चेतना का विस्तार है। राजनीति केवल शासन का साधन नहीं, बल्कि न्याय और विकास को दिशा देने वाली धुरी है। जब राजनीतिक कर्म राष्ट्रधर्म यानी 'वसुधैव कुटुम्बकम्' से जुड़ता है तो वह सेवा का मार्ग बन जाता है। आचार्य अमरनाथ त्यागी ने कहा कि राष्ट्रधर्म से प्रेरित होकर ही भारत सोने की चिड़िया बना था। काव्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान तेजपाल सोनी, द्वितीय रामगोपाल शुक्ला और तृतीय सुषमा पटेल ने प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री साय ने गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय में भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का किया अनावरण

मुख्यमंत्री ने जनजातीय वीथिका का किया अवलोकन, जनजातीय वीर नायकों की गौरवगाथाओं से हुए रूबरू

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-बिलासपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बिलासपुर प्रवास के दौरान गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर में जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में स्थापित धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा को नमन करते हुए देश की स्वतंत्रता, जनजातीय समाज के अधिकारों और स्वाभिमान की रक्षा के लिए उनके महान संघर्ष एवं बलिदान का स्मरण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित जनजातीय वीथिका का भी अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा जनजातीय गौरव, स्वाभिमान और स्वतंत्रता संग्राम के महानायक थे। उन्होंने अल्पायु में ही अंग्रेजी शासन के अन्याय और शोषण के विरुद्ध जनजातीय समाज को संगठित कर ऐतिहासिक उलगुलान आंदोलन का नेतृत्व किया। जल, जंगल



और जमीन के अधिकारों की रक्षा के लिए उनका संघर्ष देश के इतिहास का गौरवशाली अध्याय है। उनका जीवन हमें अपनी संस्कृति, परंपराओं और अधिकारों की रक्षा के साथ समाज एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्थापित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा विद्यार्थियों और युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का केंद्र बनेगी। यह प्रतिमा हमें जनजातीय नायकों के साहस, संघर्ष और बलिदान की याद दिलाती रहेगी। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज का देश की आजादी और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। हमारी आने वाली पीढ़ियों को इस गौरवशाली इतिहास से परिचित कराना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित जनजातीय वीथिका का अवलोकन किया। उन्होंने वहाँ प्रदर्शित जनजातीय महापुरुषों के जीवन, उनके संघर्ष, वीरता और स्वतंत्रता संग्राम में योगदान से जुड़ी जानकारियों को देखा तथा इसकी सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय वीर नायकों का साहस और बलिदान हमारी गौरवशाली विरासत का अमूल्य हिस्सा है। जनजातीय वीथिका के माध्यम से विद्यार्थियों और युवाओं को अपने महान नायकों के इतिहास, संस्कृति और योगदान को जानने का अवसर मिलेगा। ऐसे प्रयास हमारी समृद्ध विरासत को सहेजने और नई पीढ़ी तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार जनजातीय समाज की संस्कृति, परंपराओं और ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आजीविका के बेहतर अवसर उपलब्ध कराकर जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। हमारा संकल्प है कि जनजातीय समाज का हर परिवार विकास की मुख्यधारा से जुड़े और खुशहाली एवं समृद्धि की दिशा में आगे बढ़े।

इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, विधायक धरमलाल कौशिक, अमर अग्रवाल एवं सुशांत शुक्ला, विश्वविद्यालय के कुलपति आलोक चक्रवाल, क्रेडा के अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी, पाट्यपुस्तक निगम के अध्यक्ष राजा पांडे, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, सहकारी बैंक के अध्यक्ष रजनीश सिंह, संभागायुक्त सुनील जैन, पुलिस महानिरीक्षक रामगोपाल गर्ग, कलेक्टर संजय अग्रवाल और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह सहित विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, विद्वान, विद्यार्थी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

खास खबर

सुशासन को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने में तकनीक की महत्वपूर्ण भूमिका : सीएम साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-बिलासपुर



मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने बिलासपुर प्रवास के दौरान जिला कार्यालय में शासकीय कर्मचारियों के लिए स्थापित आधुनिक कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया। भारतीय स्टेट बैंक के बिलासपुर अंचल द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत स्थापित इस केंद्र में शासकीय कर्मचारियों को कंप्यूटर संचालन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और साइबर सुरक्षा का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस पहल से कर्मचारियों की डिजिटल दक्षता एवं कार्यक्षमता बढ़ेगी तथा नागरिकों को शासकीय सेवाओं का लाभ अधिक सरलता, पारदर्शिता और तेजी से उपलब्ध हो सकेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सुशासन की अवधारणा को साकार करने में आधुनिक तकनीक की महत्वपूर्ण भूमिका है। बदलते समय के साथ शासकीय कर्मचारियों का डिजिटल रूप से दक्ष होना आवश्यक है। कंप्यूटर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी आधुनिक तकनीकों का जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग प्रशासनिक कार्यों को अधिक सरल, सुगम और प्रभावी बना सकता है। उन्होंने कहा कि तकनीक के बढ़ते उपयोग के साथ शासकीय अभिलेखों और नागरिकों की व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। यह प्रशिक्षण केंद्र कर्मचारियों के कौशल उन्नयन के साथ जनसेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा। मुख्यमंत्री ने इस जनोपयोगी पहल के लिए भारतीय स्टेट बैंक की सराहना की।

प्रशिक्षण केंद्र में शासकीय कर्मचारियों को कंप्यूटर के प्रभावी उपयोग, डिजिटल कार्यप्रणाली और कार्यालयीन कार्यों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की उपयोगिता का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके साथ ही साइबर सुरक्षा के अंतर्गत फिशिंग, ऑनलाइन धोखाधड़ी, संदिग्ध लिंक की पहचान, सुरक्षित पासवर्ड, डेटा की गोपनीयता और सुरक्षित इंटरनेट उपयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी जाएगी। जिला प्रशासन के सहयोग एवं मार्गदर्शन में संचालित यह केंद्र ई-गवर्नेंस को सुदृढ़ करने तथा आधुनिक तकनीक से सक्षम, संवेदनशील और जवाबदेह प्रशासनिक व्यवस्था विकसित करने में सहायक होगा। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव, विधायक धरमलाल कौशिक, अमर अग्रवाल एवं सुशांत शुक्ला, क्रेडा अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी, पाट्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष राजा पांडे, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष रजनीश सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, संभागायुक्त सुनील जैन, आईजी रामगोपाल गर्ग, कलेक्टर संजय अग्रवाल एवं एसएसपी रजनेश सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।



जनजातीय नायकों की गौरवगाथा से प्रेरणा लेकर विकसित छग के निर्माण में सहभागी बनें : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

जनजातीय समाज की गौरवशाली विरासत का संरक्षण और सर्वांगीण विकास हमारी सरकार का संकल्प : मुख्यमंत्री

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-बिलासपुर



मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि जनजातीय समाज का गौरवशाली इतिहास साहस, स्वाभिमान, संघर्ष और अपनी संस्कृति एवं परंपराओं की रक्षा का इतिहास है। देश की स्वतंत्रता और समाज के अधिकारों के लिए जनजातीय नायकों ने जो त्याग और बलिदान दिया है, वह हमारी अमूल्य धरोहर है। हमें अपने महान जननायकों के आदर्शों से प्रेरणा लेकर शिक्षा, आत्मनिर्भरता और विकास के माध्यम से समाज को आगे बढ़ाना है तथा विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करनी है। मुख्यमंत्री साय बिलासपुर के लाल बहादुर शास्त्री स्कूल मैदान में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने रिमोट का बटन दबाकर लगभग 120 करोड़ रुपए की लागत के 16 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी को जनजातीय गौरव दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा सहित देश के महान जनजातीय नायकों को नमन किया। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने अल्पायु में ही अंग्रेजी शासन की दमनकारी नीतियों के विरुद्ध संघर्ष का बिगुल फूंका और जनजातीय समाज को अपनी संस्कृति, परंपराओं तथा अधिकारों की रक्षा के लिए संगठित किया। उन्होंने तीर-कमान के बल पर अंग्रेजी सत्ता को चुनौती देकर साहस और स्वाभिमान का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत कर जनजातीय समाज के ऐतिहासिक योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की स्वतंत्रता के लिए जनजातीय समाज ने 1857 की क्रांति से पहले ही संघर्ष शुरू कर दिया था। छत्तीसगढ़ के अमर शहीद वीर नारायण सिंह ने अकाल के समय भूख से व्याकुल लोगों की सहायता की और अन्याय एवं शोषण के विरुद्ध आवाज उठाई। ऐसे महान जननायकों का संघर्ष और बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उन्होंने कहा कि नवा रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह संग्रहालय में प्रदेश के जनजातीय नायकों के गौरवशाली इतिहास और उनके संघर्ष की स्मृतियों को संजोया गया है। मुख्यमंत्री ने नागरिकों, विशेषकर युवाओं से इस संग्रहालय का अवलोकन कर अपने महान पूर्वजों के योगदान को जानने और उनसे प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

शिक्षा और आत्मनिर्भरता से संवरेगा जनजातीय युवाओं का भविष्य

मुख्यमंत्री श्री साय ने शिक्षा को सामाजिक और आर्थिक विकास का मूलमंत्र बताते हुए कहा कि जनजातीय युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक कौशल और आगे बढ़ने के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों, उच्च शिक्षण संस्थानों और छात्रावास सुविधाओं के विस्तार के माध्यम से जनजातीय विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है। ओरछा और जगरगुंडा में एकुकेशन सिटी विकसित की जा रही हैं, ताकि दूरस्थ अंचलों के बच्चों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अवसर मिल सकें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसी समय नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्रों में शांति और सुरक्षा का वातावरण स्थापित होने से विकास की नई संभावनाएं साकार हो रही हैं। जिन क्षेत्रों में कभी भय और हिंसा के कारण विकास बाधित था, वहां अब शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और आजीविका की सुविधाएं पहुंच रही हैं। कृषि, पशुपालन और दुग्ध उत्पादन जैसी गतिविधियों को प्रोत्साहित कर ग्रामीण एवं जनजातीय परिवारों की आय बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं को अक्षुण्ण रखते हुए हर परिवार तक विकास के अवसर पहुंचाना ही राज्य सरकार का संकल्प है।

जनजातीय समाज का इतिहास देश के स्वाभिमान और बलिदान का गौरवशाली अध्याय

केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जनजातीय गौरव दिवस अपने महान पूर्वजों के संघर्ष और बलिदान को स्मरण करने तथा उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का अवसर है। भगवान बिरसा मुंडा ने अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों के विरुद्ध संघर्ष किया। अमर शहीद वीर नारायण सिंह सहित छत्तीसगढ़ के अनेक जननायकों ने देश और समाज के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज ने जल, जंगल और जमीन के संरक्षण में सदैव महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने अपने त्याग, तपस्या और संघर्ष से जनमानस के हृदय में विशेष स्थान बनाया है। जनजातीय गौरव दिवस उन महान नायकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है, जिन्होंने देश और समाज के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनजातीय समाज सहित सभी वर्गों के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी घर-घर तक पहुंचाने और समाज की एकता को मजबूत बनाए रखने का आह्वान किया।

वनवासी कल्याण आश्रम के योगेश बापट ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने लगभग 25 वर्ष के अल्प जीवनकाल में अपने संघर्ष और जनसेवा से जनमानस के हृदय में भगवान का स्थान प्राप्त किया। देश के विभिन्न अंचलों में जनजातीय नायकों ने स्वतंत्रता, स्वाभिमान और सांस्कृतिक अस्मिता की रक्षा के लिए संघर्ष किया। उनके योगदान को व्यापक रूप से सामने लाने की आवश्यकता है। उन्होंने जनजातीय समाज की सामूहिक जीवनशैली, रीति-नीति और जड़ी-बूटियों के पारंपरिक ज्ञान को महत्वपूर्ण धरोहर बताते हुए इसके संरक्षण और प्रामाणिक इतिहास लेखन पर बल दिया। आदिवासी समाज के संरक्षक वेद सिंह मरकाम ने भी समारोह को संबोधित किया।

जनजातीय संस्कृति की दिखी अनुपम झलक, 28 प्रतिभाओं का सम्मान

समारोह में जनजातीय समाज की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं की आकर्षक झलक देखने को मिली। भगवान बिरसा मुंडा के जीवन और संघर्ष पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने जनजातीय जननायकों पर केंद्रित फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन कर उनके ऐतिहासिक योगदान को नमन किया। सर्व आदिवासी समाज की ओर से विशाल गजमाला पहनाकर मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जिला स्तरीय लोकनृत्य प्रतियोगिता के विजेता दलों को बधाई दी। शिक्षा, खेल, कला और समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली 28 प्रतिभाओं को आयोजन समिति की ओर से सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने सभी सम्मानित प्रतिभाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धियां समाज की नई पीढ़ी को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगी। उन्होंने समारोह के सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति को बधाई दी।

समारोह में विधायक अमर अग्रवाल, धरमलाल कौशिक, सुशांत शुक्ला, दिलीप लहरिया एवं अटल श्रीवास्तव, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, क्रेडा अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी, पाट्यपुस्तक निगम अध्यक्ष राजा पांडे, आयोजन समिति गोंडवाना गोंड महासभा के अध्यक्ष शिशुपाल सिंह शोरी सहित विभिन्न जनजातीय समाजों के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

शुभारंभ

12.60 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित आधुनिक पार्किंग में एक साथ खड़ी हो सकेंगी 80 कारें, बिलासपुर के पुराना बस स्टैंड क्षेत्र में पार्किंग की समस्या होगी दूर

मुख्यमंत्री साय ने प्रदेश की पहली शटल तकनीक आधारित ऑटोमेटेड मल्टीलेवल कार पार्किंग का किया लोकार्पण



नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-बिलासपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बिलासपुर के पुराना बस स्टैंड परिसर में छत्तीसगढ़ की पहली शटल तकनीक आधारित ऑटोमेटेड मल्टीलेवल कार पार्किंग का लोकार्पण किया। बिलासपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा लगभग 12 करोड़ 60 लाख रुपए की लागत से विकसित इस अत्याधुनिक पार्किंग सुविधा में एक साथ 80 कारें खड़ी की जा सकेंगी। इस सुविधा के शुरू होने से शहर के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र में नागरिकों को सुरक्षित, व्यवस्थित और सुविधाजनक पार्किंग उपलब्ध होगी। साथ ही सड़क किनारे अव्यवस्थित पार्किंग से उत्पन्न यातायात दबाव कम होने और आवागमन सुगम बनाने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश के शहरों को आधुनिक, सुव्यवस्थित और नागरिक सुविधाओं से परिपूर्ण बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। बढ़ते शहरीकरण के साथ यातायात प्रबंधन और पार्किंग की चुनौतियों का समाधान आधुनिक तकनीक के माध्यम से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सीमित स्थान में अधिकतम पार्किंग सुविधा उपलब्ध कराने वाली यह परियोजना शहरी अधोसंरचना के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इससे नागरिकों का समय बचेगा और शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने में सहायता मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि भूतल सहित पांच मंजिला इस आधुनिक पार्किंग भवन में प्रथम से चौथे तल तक प्रत्येक तल पर 20 कारों की पार्किंग की व्यवस्था की गई है। भूतल पर वाहनों के प्रवेश, निकास और स्वचालित संचालन के लिए विशेष व्यवस्था विकसित की गई है। सीमित शहरी भूमि का बेहतर उपयोग करते हुए तैयार की गई यह परियोजना बिलासपुर को आधुनिक और स्मार्ट शहर के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

शटल तकनीक से बिना चालक के निर्धारित स्थान पर पार्क होगी कार

इस पार्किंग की सबसे बड़ी विशेषता इसकी अत्याधुनिक शटल तकनीक है। वाहन चालक को केवल भूतल पर निर्धारित प्रवेश बे में अपनी कार खड़ी कर बाहर आना होगा। इसके बाद स्वचालित नियंत्रण प्रणाली के माध्यम से एलिवेटर कार को निर्धारित तल तक पहुंचाएगी और शटल रोबोटिक उपकरण उसे उपलब्ध पार्किंग स्लॉट में सुरक्षित खड़ा कर देगा। इसी प्रकार वाहन वापस लेने का





अनुरोध करने पर स्वचालित प्रणाली कार को भूतल स्थित निकास बे तक पहुंचा देगी। इससे वाहन चालकों को ऊपरी मंजिलों पर पार्किंग स्थान तलाशने या स्वयं वाहन ले जाने की आवश्यकता नहीं होगी। परियोजना के अंतर्गत दो वाहन एलिवेटर, दो प्रवेश एवं दो निकास बे बनाए गए हैं। सुरक्षा की दृष्टि से अग्नि पहचान एवं अग्निशमन प्रणाली, विद्युत बैकअप तथा स्वचालित नियंत्रण और निगरानी की व्यवस्था की गई है। परियोजना के डिजाइन के अनुसार पार्किंग प्रणाली की वाहन संचालन क्षमता लगभग 60 वाहन प्रति घंटा निर्धारित की गई है।

इस आधुनिक सुविधा से पुराना बस स्टैंड एवं आसपास के व्यावसायिक क्षेत्रों में आने वाले नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी। सड़क किनारे वाहनों की अव्यवस्थित पार्किंग में कमी आने से यातायात व्यवस्था बेहतर होगी और शहर की स्मार्ट परिवहन अधोसंरचना को मजबूती मिलेगी।

इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, विधायक अमर अग्रवाल, सुशांत शुक्ला एवं धरमलाल कौशिक, महापौर श्रीमती पूजा विधानी तथा क्रेडा अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

संपादकीय

महापुरुषों का सम्मान समाज का सम्मान होता है

देश परिवार व समाज से बनता है। हर परिवार में महान लोग भले ही न पैदा हों लेकिन हर समाज में महान लोग पैदा होते है और देश व समाज के लिए ऐसा काम कर गए होते हैं कि उस पर समाज के लोगों के साथ ही देश के लोगों को भी गौरव होता है जब समाज के महान लोगों का सम्मान किया जाता है तो वह एक तरह से पूरे समाज का सम्मान होता है। देश में जब भी महान लोगों का सम्मान किया जाता है तो समाज के लोगों को लगता है यह उनके समाज का सम्मान है। आजादी के बाद कई समाज के महान लोगों के कामों को भुला दिया गया था, देश व समाज के लिए किए उनके कामों को भुला दिया गया था,इससे देश के लोगों को पता ही नहीं था उस समाज के लोगों ने देश के लिए समाज के लिए क्या ऐसा काम किया था,जिसके लिए उनको महान माना जाता है। जनजातीय समाज के कई महान लोगों को भुला दिया गया था,मोदी सरकार आने के बाद उनको याद किया जाता है और विकास के मामले पिछड़े समाज के मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास किया जाता है।

जनजातीय समाज के भगवान बिरसा मुंडा ऐसे ही महान नेता थे, आजादी के बाद उनको जितना सम्मान मिलना था नहीं मिला। मोदी सरकार के आने के बाद उनकी जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जाता है ।भगवान बिरसा मुंडा का जन्म सन् 1875 में झारखंड के रांची जिले के उलीहातु में हुआ था। बिरसा सिर्फ स्वाधीनता सेनानी ही नहीं, समाज सुधारक भी थे। बेहद कम उम्र में ही उन्होंने अंग्रेजों के अत्याचारों, भूमि छीने जाने, बेगारी आदि के विरुद्ध जनजातीय समुदायों को संगठित कर उलगुलान किया था। उलगुलान का अर्थ होता है, महान विद्रोह। सिर्फ 25 वर्ष की आयु में ही उन्होंने अपनी जिंदगी स्वाधीनता के नाम होम कर दी। इन्हीं बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पिछले साल मनाई गई थी। बहरहाल हमें यह भी याद रखना होगा कि जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर जनजातीय समाज के दूसरी हस्तियों मसलन, शहीद वीर नारायण सिंह, शहीद गैंदा सिंह, वीर गुंडाधुर, ठाकुर रामप्रसाद पोर्ते, रानी दुर्गावती आदि को भी याद किया जाता है।

छत्तीसगढ़ सरकार इस दिवस को ना सिर्फ याद करती रही है, बल्कि उनकी याद में कई सारे विकास कार्यक्रमों को भी आगे लेकर आई है। इसमें सबसे प्रमुख है, प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान यानी पीएम-जनमन योजना। इसे 15 नवंबर 2023 को तीन वर्ष के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुरू किया था। इस योजना के दायरे में देश के सभी आदिवासी समुदाय आते हैं। इसे स्वाधीन भारत के इतिहास की जनजातियों पर केंद्रित यह अब तक का सबसे बड़ा अभियान कहा जाना अतिशयोक्ति नहीं होगा। इस योजना में जनजातीय समुदाय के विकास से जुड़े नौ मंत्रालयों 11 महत्वपूर्ण गतिविधियां शामिल हैं। इसके तहत आवास, स्वच्छ पेयजल, बेहतर स्वास्थ्य देखभाल, सड़क एवं दूरसंचार कनेक्टिविटी के साथ-साथ स्थायी आजीविका के अवसर आदि की उपलब्धता तय की जा रही है। इस अभियान के तहत छत्तीसगढ़ के लिए भारत सरकार द्वारा घोषित पांच विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूहों मसलन, बैगा, पहाड़ी कोरवा, कमार, अबूझमाड़िया एवं बिरहोर की बसाहटों का विकास किया जा रहा है।

भगवान बिरसा मुंडा की 151 जयंती पर धरमजयगढ़ में जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया। यह मौका था समाज को बताने का कि मोदी सरकार के पहले उनके लिए क्या नहीं किया गया और मोदी सरकार के आने के बाद उनके लिए क्या किया गया और क्या किया जा रहा है। उसी बदलाव के बारे में पीएम मोदी ने बताते हुए कहा कि माओवादी हिंसा से सबसे ज्यादा नुकसान आदिवासी जनजातीय समाज को हुआ है। यह सच भी है क्योंकि 2014 के पहले देश के 100 से ज्यादा जिले माओवाद की चपेट में थे।हर साल हिंसा की बड़ी संख्या में घटनाएं होती थी,मोदी सरकार के आने के बाद माओवाद के खात्मे की शुरूआत हुई और बस्तर से माओवाद समाप्त हो चुका है। इस मौके पर पीएम मोदी ने बताया कि उनकी सरकार आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिए क्या कुछ कर रही है। पीएम जनमन योजना और आबा जनजातीय ग्राम अभियान उत्कर्ष के तहत एक लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। आदिवासियों को पक्के मकान उपलब्ध कराये जा रहे हैं,गांवों में बिजली पहुंचाई जा रही है। यानी विकास में पिछड़े आदिवासी क्षेत्रों की ओर अब नक्सलियों के सफाए के बाद तेजी के विकास के काम कराए जा रहे है इससे आदिवासी क्षेत्रों में काफी बदलाव आ रहा है।

इस बदलाव के बारे में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने बताते हुए कहा कि बस्तर के जिन इलाकों में कभी बंदूक की आवाज गूंजती थी, अब वहां खेल के मैदान बन रहे हैं,बच्चे और युवा शिक्षा,खेल व कौशल के जरिए अपने सपनों को नई उड़ान दे रहे है। राज्य सरकार ने युवाओं के हाथों में बंदूक की जगह खेल का सामान दिया है,हिंसा की नई उम्मीद देने का काम किया है इससे क्षेत्र में बदलाव आ रहा है और विकास पहले की तुलना मे अब ज्यादा हो रहा है और तेजी से हो रहा है। बस्तर की दो मुख्य समस्या रहीं हैं,एक माओवाद और दूसरा धर्मांतरण। एक समस्या का समाधान हो चुका है,दूसरी समस्या के समाधान के लिए साय सरकार ने धर्मांतरण रोकने के लिए कानून बनाया है। कानून बनाने से धर्मांतरण पर रोक लगेगी लेकिन इसके लिए जनजाति समाज के लोगों को भी जागरूक रहना होगा क्योंकि समाज की कमजोरी का लाभ भी धर्मांतरण करने वाले उठाते हैं। इसलिए समाज के लोगों को जागरूक करने की जरूरत है कि धर्मांतरण का आखिरी में नुकसान क्या होगा।

बदल रहा है छत्तीसगढ़, संवर रहा है आदिवासियों की जिंदगी

विशेष पिछड़ी जनजातियों के गांवों तक पहुँच रही है विकास की रोशनी



धनंजय राठौर, समुक्त संचालक, जनसंपर्क, रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार की विकास, विश्वास और सुरक्षा की नीति के चलते पूरे छत्तीसगढ़ के वनांचलों में बदलाव की बयार बहने लगी है। वहां के वातावरण और जनजीवन में सकारात्मक बदलाव दिखाई देने लगा है। विकास एवं निर्माण कार्यों में शासकीय मिशनरी के साथ-साथ आम जनता की भागीदारी बढ़ी है, जिसके चलते छत्तीसगढ़ का हर इलाका तेजी से विकास की मुख्य धारा से जुड़कर तरक्की की राह चल पड़ा है। स्वास्थ्य, सड़क, शिक्षा, पेयजल, विद्युत विकास के कार्य तेजी से कराए जा रहे हैं। सड़क विहीन क्षेत्रों को मुख्य सड़कों से जोड़ा जा रहा है, इससे शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों का लाभ आमलोगों तक आसान हो गया है।

पीएम-जनमन पीएम-जनमन का पूरा नाम प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान है। यह भारत सरकार की एक विशेष योजना है जिसका उद्देश्य देश के सबसे पिछड़े और संवेदनशील विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों का सामाजिक- आर्थिक विकास करना और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ना है। इस योजना का उद्देश्य पक्का और सुरक्षित आवास (प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत), स्वच्छ पेयजल और स्वच्छता, बेहतर शिक्षा और स्कूल/छात्रावास, स्वास्थ्य सेवाएं और मोबाइल मेडिकल यूनिट, बेहतर पोषण (आंगनबाड़ी केंद्रों के जरिए), पक्की सड़कें और दूरसंचार (रोड और टेलीकॉम) कनेक्टिविटी उपलब्ध कराना, बिना बिजली वाले घरों का विद्युतीकरण, स्थायी आजीविका के अवसर और कौशल विकास (जैसे वन धन केंद्र) का अवसर प्रदान करना है।

छत्तीसगढ़ के घने वनांचलों और दूरदराज बसे गांवों में पक्की सड़क और सिर पर पक्की छत होना कभी एक अकल्पनीय सपने जैसा था। बीमारी के दिनों में मीलों पैदल चलकर अस्पताल पहुँचना एक कठिन चुनौती थी, तो वहीं बिजली, साफ पानी और बेहतर शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं भी हर परिवार की पहुँच से कोसों दूर थीं। लेकिन आज, प्रधानमंत्री जनमन योजना के जरिए इन इलाकों की तस्वीर तेजी से बदल रही है। छत्तीसगढ़ राज्य के गोंड, मुरिया, माड़िया, धुरवा, हल्बा, भतरा, दोरला, दंडामी माड़िया, कोरवा, उरांव, कंवर, बिंझवार, मांझी जनजातीय समूह निवासरत हैं, इनमें से बैगा और पहाड़ी कोरवा, बिरहोर, कमार और अबूझमाड़िया जैसे विशेष पिछड़ी जनजाति समुदायों के घरों तक अब विकास और सम्मान की बयार पहुँच रही है। प्रदेश में इन विशेष पिछड़ी जनजाति समूहों के लोगों को लाभ दिलाने हेतु प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत प्राथमिकता से कार्य किया जा रहा है। विशेष पिछड़ी जनजाति के बसाहटों को चिन्हांकित कर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित एवं पात्र सभी हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है।

दशकों की उपेक्षा के बाद शासन की सीधी पहुँच

विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों या विशेष पिछड़ी जनजातियों के समग्र उत्थान और उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा कई ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। लंबे समय की भौगोलिक और सामाजिक उपेक्षा के बाद, अब शासन की सीधी पहुँच दूरस्थ वनांचलों और जनजातीय गांवों तक सुनिश्चित की जा रही है। 15 नवंबर को मनाए जाने वाले जनजातीय गौरव दिवस के विशेष अवसर पर इन बदलावों का आकलन करना यह रेखांकित करता है कि कैसे यह पहल जनजातीय समुदायों को बेहतर जीवन और विकास के समान अवसर उपलब्ध करा रही है। इस योजना का मूल उद्देश्य केवल भौतिक बुनियादी ढांचा तैयार करना भर नहीं है, बल्कि दशकों से विकास की मुख्यधारा से कटे रहे परिवारों तक शासन को खुद चलकर पहुँचाना है।

विशेष पिछड़ी जनजातियों के उत्थान के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नवंबर 2023 में शुरू की गई इस महत्वाकांक्षी योजना को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में धरातल पर इस प्रतिबद्धता के साथ उतारा गया कि देश की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा छत्तीसगढ़ को इसकी उत्कृष्ट सफलता के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पक्के मकान और सड़कों से सुदृढ़ होती कनेक्टिविटी

विशेष पिछड़ी जनजातियों के समग्र विकास के लिए छत्तीसगढ़ के विष्णु देव साय की सरकार प्रतिबद्ध है। विशेष पिछड़ी जनजातियों के उत्थान के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं पर सरकार विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विशेष पिछड़ी जनजातियों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने, उनकी आजीविका के साधनों को मजबूत करने और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले में विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं। इन जनजाति समूह के लोगों को व्यवसाय और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर समग्र विकास करना है। योजना के तहत छत्तीसगढ़ में वनांचलों के निवासियों के लिए बड़ा बदलाव आया है। राज्य में विशेष पिछड़ी जनजातियों के 34,691 पक्के मकान स्वीकृत किए गए थे, जिनमें से 24,218 (लगभग 69 प्रतिशत) मकानों का निर्माण सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। इससे उन परिवारों का वर्षों पुराना सपना साकार हुआ है जो कभी कच्चे या झोपड़ीनुमा घरों में रहने को विवश थे।

गांवों को मुख्यमार्गों और बाजारों से जोड़ने के लिए 2,901 किलोमीटर लंबी सड़कों को मंजूरी दी गई, जिसमें से 1,833 किलोमीटर का निर्माण पूरा हो चुका है। इससे शिक्षा, स्वास्थ्य और स्थानीय आजीविका के रास्ते सुगम हुए हैं। कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से जनजातीय युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर मिले हैं।

बिजली, पानी और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार

दूरस्थ वनांचल और विशेष पिछड़ी जनजातीय बस्तियों में सौर ऊर्जा और ऑफ-ग्रिड बिजली के माध्यम से रोशनी पहुंचाई जा रही है। छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों में टॉवर फीडर और ट्रांसफार्मर स्थापित कर हजारों परिवारों को शत-प्रतिशत बिजली कनेक्शन से जोड़ा गया है। जल जीवन मिशन के तहत विशेष पिछड़ी जनजाति के हजारों घरों तक पाइपलाइन के जरिए शुद्ध और स्वच्छ पेयजल पहुंचाया जा रहा है, जिससे उन्हें दूर से पानी लाने या झिरिया का अशुद्ध पानी पीने की मजबूरी से मुक्ति मिल रही है। दुर्गम वनांचलों में बुनियादी सुविधाओं के मोर्चे पर भी अभूतपूर्व काम हुआ है। राज्य में 7,349 परिवारों का ऑफग्रिड विद्युतीकरण शत-प्रतिशत पूरा हो चुका है। साथ ही, 1,490 लक्षित गांवों में से 940 गांवों में और पेयजल के मामले में 1,425 में से 510 गांवों में शत-प्रतिशत कवरेज हासिल कर लिया गया है।

स्वास्थ्य और पोषण

विशेष पिछड़ी जनजातीयों में आनुवंशिक बीमारी सिकल सेल की जांच और बचाव के लिए विशेष अभियान चलाया जाता है। विभिन्न आयु वर्ग के लोगों और गर्भवती महिलाओं में हीमोग्लोबिन की कमी दूर करने के लिए आयरन-फोलेट एसिड की अनुपूरक खुराक दी जाती है। स्थानीय स्तर पर पोषण वाटिका और संतुलित आहार के प्रति जागरूकता बढ़ाना, विशेष पिछड़ी जनजाति समूह के परिवारों तक पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता पहुंचाना प्राथमिकता में है। कुपोषण की रोकथाम के लिए बच्चों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, गर्भवती एवं शिशुवती माताओं की उचित देखभाल और संतुलित पूरक पोषण आहार प्रदाय किया जा रहा है। दूरदराज के इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए मोबाइल मेडिकल यूनिट संचालित की जा रही हैं जो सीधे बस्तियों तक जाकर स्वास्थ्य सेवाएं और दवाइयां मुहैया कराती हैं। इसके साथ ही आयुष्मान भारत योजना और आंगनबाड़ी केंद्रों का सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं को सीधे घर-द्वार तक पहुँचाने के लिए 61 मोबाइल मेडिकल यूनिट्स पूरी तरह सक्रिय हैं। इसके अलावा, स्वीकृत सभी 191 आंगनबाड़ी केंद्र वर्तमान में सुचारू रूप से संचालित हो रहे हैं।

आजीविका और डिजिटल पहुँच

विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के क्षेत्रों में आजीविका के पारंपरिक साधनों को आधुनिक डिजिटल कनेक्टिविटी से जोड़कर व्यापक सामाजिक-आर्थिक सुधार किए जा रहे हैं। इन सुदूर और भौगोलिक रूप से अलग-थलग क्षेत्रों में 'डिजिटल समावेशन' के माध्यम से नए अवसर पैदा हो रहे हैं। पारंपरिक रूप से इन जनजातियों की आजीविका मुख्य रूप से कृषि और लघु वन उपज जैसे कि शहद, महुआ, तेंदू पत्ता और जड़ी-बूटियों पर निर्भर रही है। सरकार अब इन्हें मुख्यधारा के बाजारों से जोड़ने के लिए कई ठोस कदम उठा रही है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत विशेष पिछड़ी जनजातीय क्षेत्रों में सैकड़ों वन-धन विकास केंद्र सक्रिय किए गए हैं। उदाहरण के लिए, छत्तीसगढ़ के जनजातीय क्षेत्रों में सक्रिय केंद्रों के माध्यम से हजारों सदस्यों को उद्यमिता और मूल्य संवर्धन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन के तहत वन उपजों की बिचौलियों पर निर्भरता कम करने के लिए सरकार द्वारा अधिसूचित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद सुनिश्चित की जा रही है।

दुर्गम और सुदूर गांवों में विशेष तौर पर मोबाइल टावर स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे ये क्षेत्र पहली बार डिजिटल सेवाओं और आपातकालीन संपर्क सुविधाओं से जुड़ रहे हैं। इंटरनेट कनेक्टिविटी की पहुंच बढ़ने से अब डिजिटल इंडिया, डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर और डिजिटल बैंकिंग जैसी सुविधाएं इन समुदायों तक सीधे पहुंच रही हैं। डिजिटल साक्षरता और संचार साधनों के माध्यम से अब जनजातीय कारीगर और वन उपज संग्राहक अपने मूल्य-वर्धित उत्पादों को व्यापक घरेलू और डिजिटल बाजारों में प्रदर्शित कर पा रहे हैं। स्थानीय संसाधनों पर आधारित आजीविका को बढ़ावा देने के लिए 16 वनधन विकास केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं। डिजिटल कनेक्टिविटी के लिए 135 मोबाइल टावर साइट स्वीकृत हैं (जिनमें से 37 पर काम शुरू हो चुका है), और 51 बहुउद्देशीय केंद्र तथा 40 छात्रावास भी तैयार किए जा रहे हैं।

पीएम जनमन योजना ने छत्तीसगढ़ के विशेष पिछड़ी जनजातीय समाज के लिए केवल ईंट-गारे के मकान या पक्की सड़कें ही नहीं बनाई हैं, बल्कि इसने इन समुदायों को एक नई पहचान और देश की मुख्यधारा के साथ कदमताल करने का आत्मविश्वास दिया है। जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि सशक्त और समावेशी विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण अब हकीकत बन रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि पीएम जनमन योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में आज छत्तीसगढ़ देश का नंबर वन राज्य बनकर उभरा है। विशेष पिछड़ी जनजातियों के चेहरे पर मुस्कान लाना ही सुशासन के सरकार की असली जीत है। बिजली, पानी, सड़क और स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ छत्तीसगढ़ का जनजातीय समाज अब विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है।



जनजातीय गौरव दिवस : संस्कृति, परंपराओं और अस्मिता के सम्मान का महापर्व



राजेश अग्रवाल (मंत्री, पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास और धर्मस्व विभाग छत्तीसगढ़ शासन)

छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी समृद्ध जनजातीय संस्कृति, गौरवशाली परंपराओं, लोककलाओं, ऐतिहासिक विरासत और प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवनशैली से है। हमारे प्रदेश की जनजातीय संस्कृति केवल हमारी ऐतिहासिक धरोहर नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक चेतना, सांस्कृतिक अस्मिता और जीवन मूल्यों की आधारशिला है। जनजातीय समाज ने सदियों से जल, जंगल और जमीन के संरक्षण के साथ अपनी विशिष्ट परंपराओं, रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखा है। जनजातीय गौरव दिवस इस अमूल्य विरासत के प्रति सम्मान व्यक्त करने और जनजातीय समाज के योगदान को स्मरण करने का महत्वपूर्ण अवसर है।

प्रतिवर्ष 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर मनाया जाने वाला जनजातीय गौरव दिवस हमें स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय नायकों के अद्वितीय योगदान, उनके संघर्ष, त्याग और बलिदान की याद दिलाता है। भगवान बिरसा मुंडा ने अल्पायु में ही ब्रिटिश शासन के अन्याय और शोषण के विरुद्ध संघर्ष का बिगुल फूंका। उनका जीवन स्वाभिमान, साहस, सामाजिक चेतना और मातृभूमि के प्रति समर्पण का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने जनजातीय समाज को अपने अधिकारों, संस्कृति और अस्तित्व की रक्षा के लिए संगठित किया। उनका संघर्ष आज भी हमें अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहने और समाज के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करने की प्रेरणा देता है। छत्तीसगढ़ की धरती भी जनजातीय वीरों के साहस, शौर्य और बलिदान की साक्षी रही है। शहीद वीर नारायण सिंह ने अंग्रेजी शासन के अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करते हुए जनहित और स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। भूमकाल विद्रोह के महानायक वीर गुंडाधुर ने बस्तर की धरती से अन्याय और शोषण के विरुद्ध जनजातीय चेतना को नई दिशा दी। इन महानायकों का संघर्ष हमें यह संदेश देता है कि अपनी मातृभूमि, संस्कृति और स्वाभिमान की रक्षा से बढ़कर कोई कर्तव्य नहीं है।

छत्तीसगढ़ का बस्तर, सरगुजा, जशपुर, कांकेर, नारायणपुर, दंतेवाड़ा, बीजापुर और प्रदेश के अन्य जनजातीय अंचल सांस्कृतिक विविधता के अनमोल केंद्र हैं। यहां की लोकपरंपराएं, पर्व-त्योहार, नृत्य, संगीत, वेशभूषा, हस्तशिल्प और पारंपरिक जीवनशैली हमारी सांस्कृतिक समृद्धि को अभिव्यक्त करते हैं। गोंड, मुरिया, माड़िया, हल्बा, उरांव, कंवर, बैगा, पहाड़ी कोरवा सहित विभिन्न जनजातीय समुदायों ने अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुरक्षित रखा है। बस्तर दशहरा हमारी जनजातीय आस्था, सामाजिक सहभागिता और सांस्कृतिक एकता का अद्वितीय उदाहरण है। यह पर्व केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि विभिन्न समुदायों की सामूहिक भागीदारी और सदियों पुरानी परंपराओं का जीवंत उत्सव है। इसी प्रकार बस्तर का गोंचा पर्व, मड़ई मेले, सरगुजा और जशपुर की जनजातीय परंपराएं तथा विभिन्न अंचलों के स्थानीय उत्सव छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विविधता को समृद्ध बनाते हैं।

जनजातीय समाज की लोक कलाओं में प्रकृति के प्रति सम्मान, सामूहिक जीवन की भावना और मानवीय संवेदनाओं की सुंदर अभिव्यक्ति दिखाई देती है। गौर नृत्य, करमा, सैला, सुआ और अन्य पारंपरिक लोकनृत्य हमारी सांस्कृतिक पहचान के महत्वपूर्ण अंग हैं। ढोल, मांदर और पारंपरिक वाद्ययंत्रों की गूंज केवल संगीत नहीं, बल्कि हमारे पुरखों की स्मृतियों और पीढ़ियों से चली आ रही सांस्कृतिक चेतना की अभिव्यक्ति है। प्रदेश की जनजातीय कला और हस्तशिल्प की भी विशिष्ट पहचान है। बस्तर की ढोकरा कला, लौह शिल्प, काष्ठ शिल्प, बांस शिल्प और पारंपरिक आभूषण जनजातीय कलाकारों की अद्भुत सृजनशीलता के परिचायक हैं। इन कलाओं में हमारे शिल्पकारों की कल्पनाशीलता, परिश्रम और प्रकृति के साथ उनके गहरे संबंध की झलक मिलती है। इन परंपरागत कलाओं का संरक्षण केवल हमारी सांस्कृतिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जनजातीय कलाकारों और शिल्पकारों के लिए सम्मानजनक आजीविका के अवसर बढ़ाने का माध्यम भी है।

छत्तीसगढ़ सरकार जनजातीय संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन और नई पीढ़ी तक इसके हस्तांतरण को महत्वपूर्ण दायित्व मानती है। मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने, जनजातीय कलाकारों को प्रोत्साहित करने और लोककलाओं को व्यापक मंच प्रदान करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। संस्कृति विभाग के माध्यम से लोककलाओं, पारंपरिक नृत्यों, संगीत, सांस्कृतिक आयोजनों और ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण को महत्व दिया जा रहा है। हमारा प्रयास है कि जनजातीय कलाकारों की प्रतिभा केवल उनके गांवों और अंचलों तक सीमित न रहे, बल्कि उन्हें प्रदेश, देश और विश्व के सांस्कृतिक मंचों पर अपनी कला प्रदर्शित करने के अधिक अवसर प्राप्त हों। जनजातीय कला और संस्कृति का सम्मान तभी सार्थक होगा, जब उसके मूल संवाहक कलाकारों, शिल्पकारों और परंपरागत ज्ञान के संरक्षकों को भी उचित पहचान और अवसर प्राप्त होंगे।

पर्यटन के क्षेत्र में भी छत्तीसगढ़ के जनजातीय अंचलों में अपार संभावनाएं हैं। बस्तर के चित्रकोट और तीरथगढ़ जलप्रपात, कांगेर घाटी की प्राकृतिक संपदा, दंतेवाड़ा की धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत, सरगुजा के मैनपाट और जशपुर के प्राकृतिक पर्यटन स्थल प्रदेश को विशिष्ट पहचान प्रदान करते हैं। इन स्थलों का आकर्षण केवल प्राकृतिक सौंदर्य तक सीमित नहीं है। यहां की जनजातीय जीवनशैली, पारंपरिक व्यंजन, लोककला, हस्तशिल्प और स्थानीय संस्कृति पर्यटकों को एक अनूठा अनुभव प्रदान करती है। पर्यटन विभाग की प्राथमिकता ऐसे पर्यटन विकास को प्रोत्साहित करना है, जिसमें स्थानीय जनजातीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो। समुदाय आधारित पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन, स्थानीय मार्गदर्शकों, पारंपरिक व्यंजनों, हस्तशिल्प और घरों में पर्यटकों के ठहरने की व्यवस्था जैसी गतिविधियां जनजातीय अंचलों में रोजगार एवं स्वरोजगार की नई संभावनाएं उत्पन्न कर रही हैं। हमारा उद्देश्य पर्यटन को केवल भ्रमण का माध्यम नहीं, बल्कि स्थानीय संस्कृति के सम्मान, पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक सशक्तिकरण से जोड़ना है।

जनजातीय पर्यटन के विकास में यह भी आवश्यक है कि स्थानीय समुदायों की परंपराओं, आस्था और सामाजिक मूल्यों का पूरा सम्मान किया जाए। पर्यटन का विस्तार इस प्रकार होना चाहिए कि हमारी सांस्कृतिक मौलिकता सुरक्षित रहे, पर्यावरण को क्षति न पहुंचे और पर्यटन से प्राप्त आर्थिक लाभ में स्थानीय समुदायों की सार्थक भागीदारी हो। छत्तीसगढ़ की जनजातीय आस्था और धार्मिक परंपराएं भी हमारी सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न अंग हैं। जनजातीय समाज में प्रकृति, ग्राम देवताओं, लोकदेवियों और पारंपरिक आराधना स्थलों के प्रति गहरी श्रद्धा रही है। बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी के प्रति जनआस्था इसका महत्वपूर्ण उदाहरण है। प्रदेश की धार्मिक और सांस्कृतिक विविधता का सम्मान अत्यंत महत्वपूर्ण है। हमारी जिम्मेदारी है कि आस्था से जुड़े स्थलों की गरिमा, परंपराओं और ऐतिहासिक महत्व को सुरक्षित रखते हुए श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक सुविधाओं के विकास पर ध्यान दिया जाए।

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा जनजातीय गौरव दिवस को राष्ट्रीय स्तर पर महत्व दिए जाने से जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों और उनकी ऐतिहासिक भूमिका को व्यापक पहचान मिली है। यह अवसर हमें याद दिलाता है कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्र निर्माण की गाथा जनजातीय समाज के योगदान के बिना अधूरी है। आज आवश्यकता है कि जनजातीय इतिहास, लोकगाथाओं, पारंपरिक ज्ञान, लोकभाषाओं और सांस्कृतिक धरोहरों का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण किया जाए। हमारी नई पीढ़ी को अपने महान जनजातीय नायकों के जीवन और संघर्ष से परिचित कराया जाए। विद्यालयों, महाविद्यालयों, संग्रहालयों और सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से जनजातीय इतिहास एवं परंपराओं के प्रति जागरूकता बढ़ाई जाए। साथ ही जनजातीय युवाओं को आधुनिक शिक्षा, कौशल विकास, पर्यटन और सांस्कृतिक उद्यमिता से जोड़ते हुए उनके लिए नए अवसर सृजित किए जाएं।

जनजातीय समाज ने हमें प्रकृति के साथ संतुलित जीवन जीने की जो सीख दी है, वह आज पर्यावरणीय चुनौतियों के दौर में और भी प्रासंगिक हो गई है। जल, जंगल और जमीन के प्रति उनकी संवेदनशीलता, सामूहिकता की भावना तथा पारंपरिक ज्ञान आधुनिक समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। इस ज्ञान और जीवनदृष्टि का संरक्षण हमारी आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से भी जुड़ा हुआ है। जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर हम सभी का यह संकल्प होना चाहिए कि छत्तीसगढ़ की जनजातीय अस्मिता, संस्कृति और गौरवशाली परंपराओं को अक्षुण्ण रखते हुए विकास के नए अवसरों का विस्तार करें। जनजातीय समाज के सम्मान, उसकी सांस्कृतिक पहचान और उसकी सक्रिय सहभागिता के बिना समावेशी विकास की कल्पना अधूरी है। भगवान बिरसा मुंडा, शहीद वीर नारायण सिंह, वीर गुंडाधुर और जनजातीय समाज के सभी ज्ञात-अज्ञात महानायकों को नमन करते हुए मैं प्रदेशवासियों को जनजातीय गौरव दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। आइए, हम सब मिलकर संकल्प लें कि छत्तीसगढ़ की गौरवशाली जनजातीय विरासत को सहेजेंगे, उसकी सांस्कृतिक पहचान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे और जनजातीय समाज की समृद्धि, सम्मान एवं स्वाभिमान के लिए निरंतर कार्य करेंगे।

कविता का कोना

जगमग जगमग दीप जलाएंगे हम भी!
घर से तम को दूर भगाएंगे हम भी!

सबके चेहरों पर मुस्कान सजा कर फिर!
खुशियों का त्यौहार मनाएंगे हम भी!

जीवन पर जब दु:ख की आंतिश फूटेगी!
संयम को हथियार बनाएंगे हम भी!

कर के पूजा श्रद्धा से मॉं लक्ष्मी की!
मन में जो सोचा है पाएंगे हम भी!

नफरत की ज्वाला जब तक न बुझ जाए!
प्रेम के तब तक दीप जलाएंगे हम भी।

प्रमाणित किया जाता है कि यह रचना मेरी मौलिक स्वरचित है, यह कहीं और प्रकाशित नहीं हुई है तथा इसके सर्वाधिकार मेरे पास सुरक्षित हैं ।



बलजीत सिंह 'बेनाम'
103/19, पुरानी कचहरी कॉलोनी, नजदीक इम्प्रेशन इस्टिट्यूट, हाँसी - 125033, हरियाणा

एलिना स्वितोलिना को हराकर मीरा एंड्रीवा ने जीता डब्ल्यूटीए फाइनल्स का खिताब

इंडियन वेल्स, एजेंसी। मीरा एंड्रीवा ने अपने पहले ही डब्ल्यूटीए फाइनल्स में एलिना स्वितोलिना को 7-5, 6-3 से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया। 19 वर्षीय रूसी खिलाड़ी ने 2026 का समापन 55 टूर-लेवल जीत और चार खिताबों के साथ किया। इससे पहले उन्होंने एडिलेड, लिन्ज और फ्रेंच ओपन में भी जीत हासिल की थी। 19 साल की उम्र में स्वितोलिना के खिलाफ 1 घंटे 48 मिनट में मिली इस जीत के साथ एंड्रीवा 2004 में मारिया शारापोवा के बाद सबसे कम उम्र की डब्ल्यूटीए फाइनल्स चैंपियन बन गई हैं। अपने पहले ही टूर्नामेंट में बिना कोई सेट हारे जीत हासिल करना उन्हें एक खास क्लब में शामिल करता है। 1972 में टूर्नामेंट के पहले संस्करण में क्रिस एवर्ट ने ऐसा किया था और 2001 में सेरेना विलियम्स ने लगातार तीन मैचों में सीधे सेटों में जीत दर्ज की थी, जिसके बाद उन्हें वॉकओवर के जरिए खिताब मिला था। डब्ल्यूटीए फाइनल्स चैंपियन बनने पर एंड्रीवा ने कहा, 'खिलाड़ियों के इस खास समूह का हिस्सा बनना बहुत शानदार लग रहा है। मैं अपनी टीम की बहुत आभारी हूं, जिन्होंने मुझे अपनी पूरी क्षमता तक पहुँचने के लिए प्रेरित किया। मेरे लिए लड़ने और मुझे वह सब कुछ करने के लिए मजबूर करने के लिए धन्यवाद, जो मेरे लिए जरूरी था। मीरा ने बिना कोई सेट हारे अपना पहला डब्ल्यूटीए फाइनल्स खिताब जीता। इस जीत के साथ उन्होंने डब्ल्यूटीए रैंकिंग में दुनिया की नंबर 2 खिलाड़ी का स्थान हासिल कर लिया है, जिससे 2027 सीजन की शुरुआत में उनके नंबर 1 बनने की संभावना भी बढ़ गई है। मीरा एंड्रीवा ने स्वितोलिना को ग्रुप स्टेज में भी हराया था और फिर चैंपियनशिप मैच में भी जीत हासिल की। टूर्नामेंट के दौरान उन्होंने ग्रुप स्टेज में पारिबास ओपन चैंपियन आर्यना सबालेंका के खिलाफ एक शानदार जीत दर्ज की थी। पहले सेट में



1-4 से पिछड़ने के बाद उन्होंने लगातार 11 गेम जीतकर मैच अपने नाम किया था।

पहले सेट की शुरुआत में एंड्रीवा और स्वितोलिना दोनों ने एक-दूसरे की सर्विस तोड़ी, लेकिन फिर रूसी खिलाड़ी ने एक और ब्रेक हासिल किया और अपनी सर्विस बचाते हुए 5-3 की बढ़त बना ली। आंद्रीवा 5-4 के स्कोर पर सेट अपने नाम करने में नाकाम रहीं, लेकिन उन्होंने तीसरी बार स्वितोलिना की सर्विस तोड़ी और फिर अपने दूसरे मौके को भुनाते हुए सेट जीत लिया।

फ्रेंच ओपन चैंपियन ने दूसरे सेट में भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने आखिरी दो गेम्स में सिर्फ दो अंक गंवाए और जीत पक्की की, जिसके साथ ही उन्हें 3.37 मिलियन अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि मिली। साल का अंत अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ विश्व रैंकिंग नंबर 2 के साथ करने वाली आंद्रीवा ने खिताब जीतने के बाद अपनी टीम का धन्यवाद किया।

उन्होंने कहा कि उनकी टीम हर दिन उन्हें बेहतर बनने के लिए प्रेरित करती है, उनकी सीमाओं को आगे बढ़ाने में मदद करती है और ऐसे दिनों में भी मेहनत करवाती है जब उनका काम करने का मन नहीं होता। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'अंत में मैं खुद को भी धन्यवाद देना चाहती हूं।

सिनियाकोवा-टाउनसेंड की जोड़ी ने जीता डब्ल्यूटीए फाइनल्स डबल्स का खिताब

इंडियन वेल्स, एजेंसी। कैटरीना सिनियाकोवा और टेलर टाउनसेंड की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सारा एरानी और जैस्मीन पाओलिनी को सीधे सेटों में 6-4, 6-3 से हराया। इस जीत के साथ दोनों खिलाड़ियों ने टीम के रूप में अपना पहला डब्ल्यूटीए फाइनल्स डबल्स खिताब जीता।



यह टाउनसेंड का पहला और सिनियाकोवा का दूसरा डब्ल्यूटीए फाइनल्स खिताब था। सिनियाकोवा ने इससे पहले 2021 में बारबोरा क्रेजकोवा के साथ यह चैंपियनशिप जीती थी। एक टीम के रूप में सिनियाकोवा और टाउनसेंड का यह लगातार तीसरा डब्ल्यूटीए फाइनल्स था। वह 2024 में उपविजेता रहीं और पिछले साल सेमीफाइनल तक पहुंची थीं। इस सीजन में रोलैंड गैरोस (फ्रेंच ओपन), यूएस ओपन, मैड्रिड, मियामी और इंडियन वेल्स में एक साथ खिताब जीतने के बाद सिनियाकोवा और टाउनसेंड ने अपने कलेक्शन में एक और (छठी) ट्रॉफी जोड़ ली है। एक टीम के रूप में यह उनका कुल 9वां खिताब है। इसके साथ ही सिनियाकोवा के नाम अब 40वां और टाउनसेंड के नाम 18वां टूर-लेवल डब्ल्यूटीए खिताब हो गया है।

एरानी और पाओलिनी भी सीजन के इस आखिरी टूर्नामेंट में लगातार तीसरी बार हिस्सा ले रही थीं, लेकिन यह पहली बार था जब वह ग्रुप स्टेज से आगे बढ़ने में सफल रहीं। चैंपियनशिप मैच में मिली इस हार के साथ ही इटैलियन जोड़ी की लगातार आठ जीत का सिलसिला टूट गया। वह टोक्यो में खिताब जीतने के बाद इंडियन वेल्स पहुंची थीं। इस हफ्ते सिनियाकोवा के साल के अंत में वर्ल्ड नंबर 1 डबल्स खिलाड़ी बनने की पुष्टि हुई। वहीं, टाउनसेंड ने हाल ही में हुई ऑपेंडिक्स की सर्जरी से शानदार वापसी करते हुए टॉप लेवल पर मुकाबला किया। इस जोड़ी ने हफ्ते की शुरुआत ग्रुप स्टेज में इटैलियन खिलाड़ियों के खिलाफ हार के साथ की थी। सीजन के आखिरी टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाली आखिरी टीम, एरानी और पाओलिनी ने अपने पहले डब्ल्यूटीए फाइनल्स चैंपियनशिप मैच तक पहुंचने के रास्ते में अपने सभी चार मैच जीते थे। मगर दूसरी वरीयता प्राप्त सिनियाकोवा और टाउनसेंड ने उसी कोर्ट पर उनके अजेय रहने के सिलसिले को खत्म कर दिया, जहां उन्होंने मार्च में इंडियन वेल्स का खिताब जीता था।

पीएम मोदी से मिले रिंकू सिंह

परिवार के साथ मिलकर दिया शादी का निमंत्रण

4 दिसंबर को लखनऊ में सांसद प्रिया सरोज संग लेंगे 7 फेरे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह ने अपनी शादी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित किया है। रिंकू सिंह ने परिवार के साथ पीएम मोदी से मुलाकात की और उन्हें शादी का निमंत्रण दिया। रिंकू सिंह ने इस मुलाकात की तस्वीर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर उन्हें विवाह का न्योता देने और उनका आशीर्वाद लेने को अपने परिवार के लिए खास पल बताया।

रिंकू सिंह 4 दिसंबर को लखनऊ में समाजवादी पार्टी की लोकसभा सांसद प्रिया सरोज के साथ सात फेरे लेंगे। रिंकू सिंह ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा, ''अपने परिवार के साथ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी से मिलकर और उन्हें अपनी शादी में आमंत्रित कर और उनका आशीर्वाद पाकर बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह हमारे



लिए सचमुच एक बहुत ही खास पल है।

शुक्रवार 13 नवंबर 2026 को रिंकू सिंह की बहन नेहा सिंह, मां बीना देवी और भाई सोनू सिंह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को शादी का निमंत्रण दिया था। रिंकू सिंह और प्रिया सरोज के शादी समारोह में पीएम मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा खेल और राजनीति जगत से कई जानी-मानी हस्तियों के आने की खबर है। रिंकू सिंह और प्रिया सरोज का विवाह समारोह लखनऊ स्थित पांच सितारा रमाडा होटल में होगा।

रिंकू सिंह की प्रिया सरोज से शादी पहले नवंबर 2025 में होनी थी, लेकिन उनके क्रिकेट शेड्यूल को देखते हुए तारीख आगे बढ़ा दी गई थी। फरवरी 2026 में रिंकू सिंह के पिता खानचंद सिंह का निधन हो गया। इस कारण फिर शादी की तारीख टालनी पड़ी थी। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह और सपा सांसद प्रिया सरोज की सगाई आठ जून 2025 को हुई थी। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में 12 अक्टूबर 1997 को जन्में रिंकू सिंह ने भारत के लिए अब तक दो वनडे और 48 टी20 मैच खेले हैं। रिंकू सिंह उस भारतीय टीम का भी हिस्सा थे जिसने इस साल की शुरुआत में टी20 वर्ल्ड कप जीता था।

कप्तानी में इतिहास रचने के बाद

बिहार टीम से OUT हुए वैभव सूर्यवंशी...

नई दिल्ली, एजेंसी। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने शनिवार (14 नवंबर) को इतिहास रच दिया था. वह मेन्स टी20 क्रिकेट में किसी टीम की कप्तानी करने वाले दुनिया के सबसे युवा कप्तान बने थे. उन्होंने इंदौर के होलकर स्टेडियम में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026-27 के एलीट ग्रुप-बी मुकाबले में सौराष्ट्र के खिलाफ बिहार की कमान संभाली थी. हालांकि, कप्तान के तौर पर उनका पहला मैच यादगार नहीं रहा. वैभव



बल्ले से बड़ी पारी नहीं खेल सके और बिहार को भी पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा.

बिहार की टीम सोमवार (16 नवंबर) को अपना दूसरा मुकाबला रेलवे के खिलाफ खेलने उतरी, लेकिन इस मैच में वैभव सूर्यवंशी का हिस्सा नहीं बने. उनकी जगह सूरज कश्यप ने बिहार की कप्तानी की, जबकि वैभव की गैरमौजूदगी में आलोक कुमार ने आयुष लोहारुका के साथ पारी की शुरुआत की. यह मुकाबला इंदौर के द डेली कॉलेज ग्राउंड में खेला गया था, जिसमें बिहार ने चार विकेट से दर्ज की.

यूईएफए नेशंसलीगः

फ्रांस और बेल्जियम ने कटाया क्वार्टर फाइनल का टिकट

नई दिल्ली, एजेंसी। फ्रांस ने बोर्डो के स्टेड अटलांटिक में तुर्की के खिलाफ 2-1 जीत दर्ज करके यूईएफए नेशंस लीग 2027 के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। फ्रांस ने 2020-2021 और 2024-2025 के बाद पांच संस्करणों में तीसरी बार नेशंस लीग के क्वार्टर फाइनल चरण के लिए क्वालीफाई किया है। केवल स्पेन (4 बार) ही ऐसा फ्रांस से ज्यादा बार कर पाया है। फ्रांस को गतिरोध तोड़ने के लिए दूसरे हाफ तक इंतजार करना पड़ा, जब ब्रैडली बारकोला के दबाव के कारण तुर्की के डिफेंडर एमिरहान टोपचू ने गलती से अपनी ही टीम के खिलाफ गोल (ओन गोल) कर दिया। इसके बाद एली जूनियर क्रोपी ने रेयान चेर्की के साथ मिलकर अपना पहला अंतरराष्ट्रीय गोल किया। इससे फ्रांस की जीत पक्की हो गई। हालांकि, मैच के अंत में अब्दुलकेरीम बारदाकसी के हेडर से गोल आया, लेकिन यह तुर्की की हार को नहीं टाल सका। फ्रांस टीम ने 2026 में अपनी 13वीं जीत दर्ज की (1 ड्रॉ, 4 हार)। यह एक कैलेंडर वर्ष में उनकी अब तक की सबसे ज्यादा जीत की बराबरी है। इससे पहले, 2003 और 2016 में भी उन्होंने 13 जीत हासिल की थीं। इस साल उन्होंने सभी प्रतियोगिताओं में कुल 39 गोल किए हैं, जो 2003 में बनाए गए उनके पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड (40 गोल) के करीब है। बेल्जियम से आगे रहते हुए अपने ग्रुप में पहले स्थान पर रहने के बाद जिदान की टीम को शुक्रवार को होने वाले ड्रॉ के जरिए पता चलेगा कि क्वार्टर फाइनल में उनका सामना किस टीम से होगा।

दूसरे कार्यकाल के लिए निर्विरोध आईसीसी अध्यक्ष चुने गए जय शाह

विश्वास और समर्थन के लिए जताया आभार

दुबई, एजेंसी। जय शाह को दूसरे कार्यकाल के लिए निर्विरोध इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) का फिर से अध्यक्ष चुना गया है। बाली में हुई बैठकों के दौरान आईसीसी बोर्ड ने इस फैसले पर मुहर लगाई। शाह को अगस्त 2024 में सर्वसम्मति से आईसीसी अध्यक्ष चुना गया था, जिससे वह 35 साल की उम्र में इस पद पर पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के व्यक्ति बने थे। उन्होंने 1 दिसंबर 2024 से आईसीसी अध्यक्ष के रूप में अपना कार्यकाल शुरू किया था। तत्कालीन आईसीसी अध्यक्ष ग्रेग बार्कले के तीसरे कार्यकाल के लिए दावेदारी न पेश करने के बाद शाह एकमात्र उम्मीदवार रह गए थे। वह जगमोहन डालमिया, शरद पवार, एन. श्रीनिवासन और शशांक मनोहर के बाद आईसीसी प्रमुख बनने वाले पांचवें भारतीय बने थे। यह पुनर्नियुक्ति नेतृत्व में स्थिरता बनाए रखने में मदद करेगी। यह ऐसे समय में हुई है जब क्रिकेट लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए तैयारी कर रहा है। इसके



अलावा, इसका मकसद दुनिया भर में क्रिकेट का विस्तार करना, ज्यादा लोगों को खेल से जोड़ना और खेल के व्यावसायिक विकास को आगे बढ़ाना है। आईसीसी ने बताया कि शाह की पुनर्नियुक्ति बोर्ड के निदेशकों के एक प्रस्ताव के बाद हुई है। यह खेल के विकास के एक महत्वपूर्ण चरण में उनके नेतृत्व पर बोर्ड के भरोसे को दर्शाता है। लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 में क्रिकेट को शामिल करना प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक है। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल को मजबूत करना, महिला क्रिकेट का विस्तार करना, एसोसिएट सदस्यों के लिए अधिक अवसर पैदा करना और खेल की दीर्घकालिक व्यावसायिक स्थिरता सुनिश्चित करना भी प्राथमिकताओं में शामिल है। अपनी पुनर्नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष ने बोर्ड के निरंतर समर्थन के लिए आभार जताया। उन्होंने सदस्य देशों के साथ मिलकर वैश्विक स्तर पर क्रिकेट को आगे बढ़ाने की अपनी जिम्मेदारी पर जोर दिया। शाह ने कहा, 'आईसीसी बोर्ड ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उससे मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं सभी निदेशकों का उनके निरंतर विश्वास और समर्थन के लिए तहे दिल से आभारी हूं। आईसीसी अध्यक्ष के रूप में काम करना एक सम्मान और जिम्मेदारी दोनों है। मैं दुनिया भर में क्रिकेट के हितों को आगे बढ़ाने के लिए अपने सदस्य देशों के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। ' उन्होंने ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी को नए दर्शकों तक पहुंचने और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करने के एक बड़े अवसर के रूप में बताया। उन्होंने कहा, 'हम अपने खेल के इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण और रोमांचक दौर में प्रवेश कर रहे हैं। लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में क्रिकेट की वापसी, हमारे खेल को नए दर्शकों तक पहुंचाने और खिलाड़ियों तथा प्रशंसकों की एक नई पीढ़ी को प्रेरित करने का एक बेहतरीन अवसर है। ' उन्होंने आगे कहा, 'हमारी जिम्मेदारी केवल सफल आयोजन कराने तक ही सीमित नहीं है। हमें प्रशंसकों, खिलाड़ियों, व्यावसायिक साझेदारों और अन्य प्रमुख हितधारकों पर ध्यान केंद्रित करते हुए इस खेल के लिए एक मजबूत और टिकाऊ भविष्य का निर्माण करना होगा। मेरा हमेशा से मानना ह्र है कि क्रिकेट की सबसे बड़ी ताकत लोगों को एक साथ लाने की इसकी क्षमता है। बोर्ड और हमारे सदस्यों के सहयोग से हमारा पूरा ध्यान अपनी महत्वाकांक्षाओं को हकीकत में बदलने पर होगा, ताकि हम जो भी प्रगति करें, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्थायी विरासत छोड़ सके। ' इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के अध्यक्ष रिचर्ड थॉम्पसन ने शाह के निरंतर नेतृत्व का स्वागत किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बदलते व्यावसायिक और खेल परिदृश्य के अनुरूप ढलते हुए द्विपक्षीय क्रिकेट की प्रासंगिकता को बनाए रखना भी जरूरी है। उन्होंने कहा, 'इंटरनेशनल क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण समय है, जब जय शाह का नेतृत्व जारी है। खेल तेजी से विकसित हो रहा है, इसलिए यह आवश्यक है कि हम अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर को मजबूत करें, द्विपक्षीय क्रिकेट की प्रासंगिकता और प्रतिस्पर्धात्मकता की रक्षा करें और यह सुनिश्चित करें कि हमारे प्रमुख आयोजन इस खेल के भविष्य के केंद्र में बने रहें।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट में होगी भारत की असली 'अग्निपरीक्षा', निराशाजनक रहा है रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया का प्रदर्शन टी20 के बाद वनडे सीरीज में भी शानदार रहा। भारतीय टीम ने एकदिवसीय सीरीज को 3-1 से अपने नाम किया। हालांकि, भारतीय टीम की असली परीक्षा अब क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट यानी टेस्ट में होगी। न्यूजीलैंड की सरजमीं पर टीम इंडिया का टेस्ट रिकॉर्ड बिल्कुल भी अच्छा नहीं रहा है। न्यूजीलैंड में भारत ने अब तक कुल 25 टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें से टीम को सिर्फ 5 मैचों में जीत मिली है। वहीं, 10 मुकाबलों में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा है। 10 मैचों का अंत ड्रॉ के रूप में हुआ है। भारतीय टीम को साल 2020 में न्यूजीलैंड के अपने आखिरी दौरे पर भी दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं, 2024 में न्यूजीलैंड के हाथों भारत को अपने ही घर में 0-3 से टेस्ट सीरीज गंवानी पड़ी थी। तेज गेंदबाजों के अनुकूल न्यूजीलैंड की कंडीशंस में भारतीय बल्लेबाजों के लिए टेस्ट सीरीज में रन बनाना बड़ी



चुनौती होगी। टीम की बल्लेबाजी का दारोमदार शानदार फॉर्म में चल रहे कप्तान शुभमन गिल के कंधों पर होगा, जिसका साथ देने की जिम्मेदारी यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, ऋषभ पंत, देवदत्त पडिक्कल, साई सुदर्शन और ध्रुव जुरेल जैसे बल्लेबाजों की होगी। भारत के मौजूदा टेस्ट स्क्वॉड में काफी कम खिलाड़ियों को न्यूजीलैंड की परिस्थितियों में खेलने का अनुभव है। हालांकि, भारत-ए की ओर से खेलते हुए जुरेल और पडिक्कल ने अच्छा प्रदर्शन किया था। तेज गेंदबाजी की अगुवाई जसप्रीत बुमराह करते हुए नजर आएंगे। बुमराह का साथ आकाशदीप, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा देते हुए नजर आएंगे। गुरनूर बरार को भी टेस्ट सीरीज के आगाज से ठीक पहले टीम में शामिल किया गया है। नीतीश कुमार रेड्डी के ऊपर बल्ले और गेंद दोनों से अहम रोल अदा करने की जिम्मेदारी होगी। टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला वेलिंग्टन में 19 नवंबर से खेला जाना है। इसके बाद दूसरे टेस्ट मैच का आगाज 27 नवंबर से क्राइस्टचर्च में होगा।

'सचिन-सहवाग ने कभी ऐसा नहीं किया...'

टीम इंडिया के जश्न पर शोएब अख्तर को लगी मिर्ची, दे डाली बड़ी नसीहत

नई दिल्ली, एजेंसी। एसीसी मेन्स अंडर-19 एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराने के बाद भारतीय खिलाड़ियों के आक्रामक जश्न ने नई बहस छेड़ दी है. पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि खिलाड़ियों को मैदान पर अपनी आक्रामकता दिखाने का पूरा अधिकार है, लेकिन खेल के दौरान मूल्यों और आपसी सम्मान का भी ख्याल रखना चाहिए. शोएब अख्तर ने अपनी बात रखते हुए टीम इंडिया के दिग्गज खिलाड़ियों सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग और सौरव गांगुली का जिक्र किया. उन्होंने कहा कि भारत के इन दिग्गज खिलाड़ियों के साथ मैदान पर कड़ी प्रतिद्वंद्विता रही, लेकिन कभी एक-दूसरे के प्रति सम्मान कम नहीं हुआ.

सचिन और सहवाग का दिया उदाहरण – उन्होंने कहा, 'हमें सिर्फ क्रिकेट नहीं खेलना है, बल्कि मूल्यों के साथ भी आगे बढ़ना है. आज भी मैं सचिन तेंदुलकर के बारे में अच्छी बातें कहता हूं. मुझे अब भी लगता है कि वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं. वीरेंद्र



सहवाग और सौरव गांगुली के साथ भी हमारी अच्छी दोस्ती है. हमने कभी एक-दूसरे के खिलाफ इस तरह प्रतिक्रिया नहीं दी.' फाइनल में हार के बावजूद शोएब अख्तर ने पूरे टूर्नामेंट में पाकिस्तान को भारत से बेहतर टीम बताया. हालांकि, उन्होंने माना कि खिताबी मुकाबले के अहम पलों में पाकिस्तानी खिलाड़ी दबाव नहीं झेल सके. इसके उलट भारतीय टीम ने मुश्किल स्थिति में संयम बनाए रखा.



शोएब अख्तर ने भारतीय खिलाड़ियों की आक्रामकता की तारीफ करते हुए कहा, 'मेरा भारतीय अंडर-19 खिलाड़ियों से कहना है कि आक्रामकता दिखाते रहिए, मुझे यह पसंद आया. लेकिन पाकिस्तान पूरे टूर्नामेंट में कहीं बेहतर टीम थी. किसी तरह वे दबाव नहीं संभाल पाए, अहम मौकों पर दबाव से निपटना भारत को अच्छी तरह आता है.' उन्होंने भारतीय टीम को जीत की बधाई देते हुए कहा कि उसके पास दमदार खिलाड़ी, आत्मविश्वास और मैच को अंजाम तक पहुंचाने की क्षमता थी.

अल अमेरात में खेले गए खिताबी मुकाबले में भारत के सामने 338 रनों का लक्ष्य था. टीम ने 252 रनों तक आठ विकेट गंवा दिए थे और मुकाबला पाकिस्तान की पकड़ में नजर आ रहा था. ऐसे समय में मोहित उल्वा और मनल चौहान ने 35 गेंदों पर 57 रनों की साझेदारी कर भारत की वापसी कराई.

मनल चौहान ने 32 गेंदों पर 47 रन बनाए, जबकि मोहित 26 गेंदों पर 49 रन बनाकर नाबाद रहे. आखिरी गेंद पर तीन रनों की जरूरत थी और मोहित ने चौका लगाकर भारत को एक विकेट से जीत दिला दी. इस खिताबी जीत के साथ भारत ने नौवीं बार अंडर-19 एशिया कप अपने नाम किया.



फरहान अख्तर ने वेब सीरीज 'मिर्जापुर' को बड़े पर्दे पर लाने के पीछे की सोच के बारे में बात की

फरहान अख्तर ने वेब सीरीज 'मिर्जापुर' की दुनिया को बड़े पर्दे पर लाने के पीछे की सोच के बारे में खुलकर बात की है। उनका कहना है कि सीरीज के पहले दो सीजन को दर्शकों से मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स ने उन्हें और निर्माता रितेश सिधवानी को यह सोचने पर मजबूर किया कि 'मिर्जापुर' की कहानी को फिल्म के रूप में भी आगे बढ़ाया जा सकता है। मेकर्स का मानना था कि इस सीरीज की दुनिया और इसके किरदार बड़े पर्दे पर भी दर्शकों को पसंद आएंगे।

फरहान ने बातचीत में बताया कि पहले और दूसरे सीजन के बाद जब भी वे कहीं जाते थे, लोग उनसे 'मिर्जापुर' के अगले सीजन के बारे में जरूर पूछते थे। दर्शकों के बीच इस कहानी को लेकर काफी उत्सुकता थी। लोग जानना चाहते थे कि इसका अगला हिस्सा कब आएगा और कहानी में आगे क्या होने वाला है।

फरहान ने कहा, ''आप जानते हैं, बात यह है कि पहले और दूसरे सीजन के बाद जब भी हम कहीं जाते थे, लोग हमसे हमेशा पूछते थे कि 'मिर्जापुर' का अगला सीजन कब आएगा? आगे क्या होने वाला है? इसे कब बनाया जाएगा? क्या इसका तीसरा सीजन भी आएगा?''

उन्होंने आगे कहा, ''जब भी हम बाहर निकलते थे, हमें लोगों के बीच एक अलग तरह का उत्साह दिखाई देता था। हमें लगा कि फिल्म और सीरीज की कहानी और इसकी लेखन शैली बड़े पर्दे पर भी बहुत अच्छी तरह काम करेगी।''

फरहान ने बताया, ''मिर्जापुर' के किरदार और इसकी दुनिया काफी बड़े स्तर की है। दर्शकों ने अब तक इस दुनिया को घर पर बैठकर अकेले या अपने परिवार के साथ देखा है, लेकिन फिल्म के जरिए उन्हें इसे एक अलग अंदाज में देखने का मौका मिलने वाला था। फिल्म को लेकर मेकर्स की सोच थी कि यह दर्शकों को एक साथ सिनेमाघर में बैठकर कहानी देखने का अनुभव देगी।'' उन्होंने कहा, ''मेकर्स चाहते थे कि जिन लोगों ने कभी 'मिर्जापुर' नहीं देखी है, वे भी फिल्म देखने आएं और इसका पूरा आनंद ले सकें। वे फिल्म देखकर बाहर निकलें तो उन्हें लगे कि उन्होंने एक पूरी कहानी देखी है, न कि किसी सीरीज का अधूरा हिस्सा। यह हमारे सामने एक चुनौती थी। लेकिन पुनीत की लेखनी और गुरु के निर्देशन ने सब कुछ बहुत खूबसूरती से जोड़ दिया। हमें शुरुआत से ही विश्वास था कि 'मिर्जापुर' की यह दुनिया फीचर फिल्म के रूप में भी अच्छी तरह ढल सकती है।''

अब फिल्म डिजिटल प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज हो गई है। फरहान ने कहा, ''किसी न किसी मायने में यह घर वापसी जैसा है। अच्छा लग रहा है। फिल्म को ओटीटी पर एक अलग तरह के दर्शक भी देखने वाले हैं। अब अमेजन प्राइम पर रिलीज के जरिए हम उन दर्शकों तक भी पहुंच पाएंगे।''





रोमांटिक किरदार निभाने पर बोले मनोज बाजपेयी

अभिनेता मनोज बाजपेयी अपनी नई फिल्म 'लास्ट मैन इन टॉवर' को लेकर चर्चा में हैं। इसके प्रमोशन के दौरान अभिनेता ने इस बात पर चर्चा की कि इंडस्ट्री में तीन दशक बिताने के बावजूद, उन्हें रोमांटिक फिल्मों में बहुत कम क्यों देखा गया है। बातचीत में अभिनेता ने बताया कि वह हमेशा से एक जटिल प्रेम कहानी का हिस्सा बनना चाहते थे, लेकिन उन्हें कभी कोई सही ऑफर नहीं मिला। दिलचस्प बात यह है कि मनोज का मानना है कि इंडस्ट्री में अभी भी ऐसे अभिनेताओं को रोमांटिक किरदारों में कास्ट करने को लेकर हिचकिचाहट है, जिनका लुक पारंपरिक नहीं है। मनोज ने बताया कि उनसे पूछा गया था कि वह रोमांटिक फिल्में क्यों नहीं करते। उन्होंने कहा, 'किसी ने मुझसे पूछा, 'आप रोमांटिक फिल्में क्यों नहीं करते?' मैंने कहा, 'अरे भाई, तीन दशक हो गए हैं!' मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि कोई निर्देशक या लेखक मुझे रोमांटिक फिल्म का ऑफर देने में दिलचस्पी रखता हो।' अभिनेता ने कहा कि उन्हें कभी भी पर्दे पर रोमांस करने की अपनी क्षमता पर कोई शक नहीं रहा। हालांकि, वह हमेशा से एक आम प्रेम कहानी से कुछ अलग और बेहतर करना चाहते थे। उन्होंने कहा, 'मुझे पता है कि एक रोमांटिक किरदार कैसे निभाते हैं। मुझे पता है कि रोमांस कैसे किया जाता है। शायद मैं किसी आम रोमांटिक फिल्म से कुछ हटकर तलाश रहा था, क्योंकि मैं ऐसा इंसान नहीं हूं जो आसानी से किसी एक घिसे-पिटे सांचे में फिट हो जाए। मैं हमेशा से एक बहुत ही जटिल प्रेम कहानी की तलाश में था, लेकिन मुझे कभी ऐसा कोई ऑफर नहीं मिला। एक-दो मौके आए भी, लेकिन किसी न किसी वजह से वे फिल्में कभी बन ही नहीं पाईं या शुरू ही नहीं हो सकीं।' अपने करियर के इस पड़ाव पर, मनोज को लगता है कि अधेड़ उम्र के लोगों के रोमांस को पर्दे पर दिखाना एक दिलचस्प विषय हो सकता है। उन्होंने आगे कहा, 'आज के समय में आप केवल अधेड़ उम्र के लोगों की प्रेम कहानी के बारे में ही सोच सकते हैं। ऐसे देश में जहां अलग लुक वाले अभिनेताओं के पास रोमांटिक फिल्म करने का विकल्प तक नहीं है, वहां वह यह कैसे सोच सकते हैं कि कोई अधेड़ उम्र का व्यक्ति इस तरह के दर्शकों के लिए रोमांस कर सकता है? निर्देशक और लेखक उतने ही अच्छे होते हैं जितना कि समाज, है ना? इसलिए, मुझे हमेशा उम्मीद रहती है कि कोई कुछ बहुत ही अनोखा और जटिल लेकर आएगा। जैसे कि अधेड़ उम्र के लोगों की कहानी।'



श्रुति हासन ने कॉस्मेटिक प्रोसीजर को लेकर अपने निजी अनुभवों पर बात की

अभिनेत्री श्रुति हासन ने कॉस्मेटिक सर्जरी और शराब को लेकर अपने निजी अनुभवों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें कॉस्मेटिक प्रोसीजर के बारे में झूठ बोलने की कोई जरूरत महसूस नहीं होती। इसके साथ ही अभिनेत्री ने बताया कि वह आठ साल तक शराब से पूरी तरह दूर रही थीं। श्रुति हासन ने ये बातें नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में बातचीत के दौरान कही। कॉस्मेटिक प्रोसीजर को लेकर अपनी राय रखते हुए उन्होंने कहा कि हर किसी को अपनी मर्जी से फैसले लेने का अधिकार है, लेकिन उन्हें इन फैसलों को छिपाने या उनके बारे में झूठ बोलने की जरूरत समझ नहीं आती।

श्रुति ने कहा, ''मैं इन चीजों के बारे में बहुत सोच-समझकर बात करती हूं, लेकिन मैं लोगों के सामने बड़ी हुई हूं और ऐसे में इस बारे में झूठ बोलना बेवकूफी होगी। मैं किसी को जज नहीं कर रही हूं, लेकिन कुछ लोग कहते हैं- 'मैं तो ऐसी ही पैदा हुई थी'... जबकि तीन हफ्ते पहले तो आप ऐसे नहीं दिखते थे।'' उन्होंने आगे कहा कि हर किसी की अपनी पसंद और अपनी जिंदगी है। किसी को भी अपने शरीर के साथ क्या करना है, यह तय करने का पूरा अधिकार है। उन्हें सिर्फ इस बात से परेशानी है कि लोग अपनी पसंद के बारे में सच बोलने से क्यों बचते हैं। अभिनेत्री ने कहा, ''सबकी मर्जी, खुद की मर्जी। मुझे इसके बारे में झूठ बोलने की कोई वजह समझ नहीं आती। लेकिन मैं इसे बढ़ावा भी नहीं देना चाहती।'' बातचीत के दौरान श्रुति ने अपनी जिंदगी के एक निजी पहलू पर भी बात की। उन्होंने शराब के साथ अपने रिश्ते और उससे दूरी बनाने के अनुभव को साझा किया। अभिनेत्री ने बताया कि वह लगातार आठ साल तक शराब से पूरी तरह दूर रही थीं। इस दौरान उन्होंने एक बूंद भी शराब नहीं पी थी। हालांकि, इसके बाद उन्होंने दोबारा शराब पीना शुरू कर दिया। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए श्रुति ने कहा, ''मैंने हमेशा खुलकर कहा है कि शराब मेरे लिए अच्छी नहीं है। अब मैं इसे लेकर बहुत सावधान रहती हूं। फिलहाल मैं इसे संभालने की कोशिश के सफर में हूं।'' श्रुति हासन दिग्गज अभिनेता कमल हासन और अभिनेत्री सारिका ठाकुर की बेटी हैं। उन्होंने अपने करियर में हिंदी के साथ तमिल और तेलुगु फिल्मों में भी काम किया है। अभिनय के अलावा वह संगीत में भी रुचि रखती हैं और एक गायिका के तौर पर भी अपनी पहचान बना चुकी हैं।



शूर्पणखा बनने के लिए रकुल प्रीत को रोज लगते थे चार घंटे

इन दिनों फिल्म 'रामायण' को लेकर भी दर्शकों के बीच काफी चर्चा है। फिल्म में शूर्पणखा का किरदार निभा रही अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने अब अपने इस सफर की कुछ खास झलकियां साझा की हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर बिहाइंड द सीन्स (बीटीएस) तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए हैं, जिनमें वह अपने किरदार की तैयारी करती, मेकअप करवाती और शूटिंग के दौरान नजर आ रही हैं। रकुल ने इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए इस पोस्ट के जरिए बताया कि वह काफी समय से इस किरदार को निभाने का अनुभव फैंस के साथ साझा करना चाहती थीं। पोस्ट में उनके शूर्पणखा के लुक की तैयारी से लेकर सेट पर शूटिंग तक के कई पल देखने को मिल रहे हैं।

इनमें मेकअप और हेयरस्टाइल टीम के साथ बिताया गया समय भी शामिल है। रकुल ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, ''मैं 'रामायण' में शूर्पणखा का किरदार निभाने का अनुभव साझा करने का इंतजार कर रही थी। यह मेरे लिए बेहद खास सफर रहा है। ऐसा हर बार नहीं होता कि आपको ऐसी कहानी का हिस्सा बनने का मौका मिले, जो पीढ़ियों से हमारी जिंदगी और संस्कृति का हिस्सा रही है। 'रामायण' को इतने बड़े स्तर पर पर्दे पर जीवंत होते देखना वाकई एक अलग अनुभव है। ऐसी कहानी का हिस्सा बनना, जो हमारे देश के लिए इतना मायने रखती है और उसे इतने बड़े स्तर पर आकार लेते देखना, इस सफर को मेरे लिए और भी खास बनाता है।'' उन्होंने आगे लिखा, ''नमित मल्होत्रा और नितेश तिवारी का शुक्रिया, जो दूर की सोच रखने वाले ऐसे लोग हैं, जिन्होंने बड़ा सपना देखा और उसे हकीकत में बदला। उनकी मेहनत और भारत से पूरी दुनिया तक कुछ असाधारण बनाने की इच्छा इस सफर को बेहद प्रेरणादायक बनाती है। रणबीर कपूर, साई पल्लवी, यश, रवि दुबे, काजल अग्रवाल, शोभना और पूरी स्टारकास्ट व क्रू का भी शुक्रिया। आप सभी शानदार सह-कलाकार रहे और इस जादू को पर्दे पर उतारने के लिए सभी ने अपनी पूरी मेहनत लगा दी।

बॉक्स ऑफिस पर श्रद्धा कपूर से भिड़ेंगे सलमान खान, फिर भी 'ईथा' को किया सपोर्ट



बॉक्स ऑफिस पर जब दो बड़े सितारों की फिल्में एक ही दिन रिलीज होती हैं, तो मुकाबले की चर्चा होना लाजिमी है. लेकिन इस बार सलमान खान ने ऐसा कुछ किया है, जिसने सबका ध्यान खींच लिया है. उनकी फिल्म 'मातृभूमि' और श्रद्धा कपूर की फिल्म 'ईथा' 4 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली हैं. यानी दोनों फिल्मों के बीच सीधी टक्कर होने वाली है. इसके बावजूद सलमान ने श्रद्धा की फिल्म को सपोर्ट किया है और पूरी टीम को शुभकामनाएं दी हैं.

सलमान ने शेयर किया 'ईथा' का पोस्टर और ट्रेलर

12 नवंबर को सलमान खान ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर श्रद्धा कपूर की फिल्म 'ईथा' का पोस्टर और ट्रेलर लिंक शेयर किया. उन्होंने श्रद्धा कपूर और मैडॉक फिल्म्स को टैग करते हुए लिखा, 'ऑल द बेस्ट फॉर ईथा.' सलमान के इस पोस्ट को मैडॉक फिल्म्स ने भी री-शेयर किया और उनका शुक्रिया अदा किया. प्रोडक्शन हाउस ने लिखा, 'प्यार और सपोर्ट के लिए शुक्रिया सलमान सर.' खास बात यह है कि सलमान ने यह शुभकामना ऐसे वक्त दी है, जब उनकी अपनी फिल्म भी श्रद्धा की फिल्म के साथ रिलीज होने जा रही है. लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बनी 'ईथा' एक बायोग्राफिकल ड्रामा है. इसमें श्रद्धा कपूर महाराष्ट्र की मशहूर तमाशा और लावणी कलाकार विठाबाई नारायणगांवकर का किरदार निभा रही हैं. वहीं सलमान खान की फिल्म 'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' का निर्देशन अपूर्व लाखिया ने किया है. फिल्म में सलमान के साथ चित्रांगदा सिंह नजर आएंगी. अब 4 दिसंबर को बॉक्स ऑफिस पर दोनों फिल्मों का मुकाबला दिलचस्प होने वाला है.



वेब सीरीज 'पुष्पक विमान' में नजर आएंगे जयदीप अहलावत

जयदीप अहलावत एक बार फिर दर्शकों के लिए कुछ नया लेकर आ रहे हैं. अजय देवगन की फिल्म 'दृश्यम 3' में अपने अभिनय को लेकर चर्चा में रहे अभिनेता अब नई वेब सीरीज 'पुष्पक विमान' में नजर आएंगे. इस बार कहानी में सिर्फ अपराध और रहस्य ही नहीं, बल्कि हंसी-मजाक का भी तड़का होगा. 'पुष्पक विमान' में जयदीप अहलावत के साथ बरुन सोबती और अभिषेक बनर्जी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे. इस सीरीज को सुदीप शर्मा बना रहे हैं, जो 'पाताल लोक', 'कोहरा' और 'उड़ता पंजाब' जैसी कहानियों से पहले भी दर्शकों का ध्यान खींच चुके हैं. बरुन सोबती और सुदीप शर्मा इससे पहले भी साथ काम कर चुके हैं. अब यह जोड़ी एक नई कहानी के साथ लौट रही है रिपोर्ट के मुताबिक, मेकर्स इस सीरीज को 2026 की शुरुआत में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज करने की तैयारी कर रहे हैं. हालांकि, इसकी कहानी और दूसरी जानकारियों को फिलहाल गुप्त रखा गया है.



मंत्री यादव ने किया छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा का अनावरण, आयुर्वेदिक अस्पताल व आंगनबाड़ी केंद्र का लोकार्पण

ग्राम भाठागांव में देवारी मिलन समारोह में हुए शामिल, ग्रामीणों से की आत्मीय मुलाकात

छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा और गौरवशाली विरासत को सहेजना हम सभी की जिम्मेदारी

नई दृष्टिबिंदु / बालोद

प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव सोमवार को बालोद जिले के विकासखंड गुण्डरदेही अंतर्गत ग्राम भाठागांव (आर) में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा का अनावरण तथा आयुर्वेदिक अस्पताल एवं आंगनबाड़ी केंद्र का लोकार्पण किया। साथ ही देवारी मिलन समारोह में शामिल होकर ग्रामवासियों से आत्मीय मुलाकात की और उन्हें सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ महतारी हमारी समृद्ध संस्कृति, परंपरा, अस्मिता और गौरवशाली विरासत की प्रतीक हैं। उनकी प्रतिमा का अनावरण हमारी सांस्कृतिक पहचान और मातृभूमि के प्रति सम्मान को अभिव्यक्त करता है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति, तीज-त्योहार और परंपराएं हमारी अमूल्य धरोहर हैं, जिन्हें संरक्षित रखना और नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। मंत्री श्री यादव ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर कार्य कर रही है। ग्राम भाठागांव में आयुर्वेदिक अस्पताल और आंगनबाड़ी केंद्र के लोकार्पण से ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाओं के साथ ही माताओं एवं बच्चों के पोषण, देखभाल और प्रारंभिक शिक्षा से जुड़ी सुविधाओं का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि गांवों का सर्वांगीण विकास ही सशक्त और विकसित छत्तीसगढ़ की मजबूत आधारशिला है।



देवारी मिलन समारोह में शिक्षा मंत्री श्री यादव ने ग्रामीणों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने कहा कि देवारी पर्व हमारी सामाजिक एकता, आपसी सद्भाव और सांस्कृतिक परंपराओं का प्रतीक है। ऐसे आयोजन समाज में भाईचारे और सामुदायिक सहभागिता की भावना को मजबूत करते हैं। इस अवसर पर मंत्री श्री यादव ने ग्रामीणों को देवारी पर्व की शुभकामनाएं देते हुए सभी के सुखी, समृद्ध और खुशहाल जीवन की कामना की। देवारी मिलन के इस पावन अवसर पर सभी ग्रामवासियों के स्नेह, अपनत्व और उत्साह ने मन अभिभूत कर दिया। इस अवसर पर विधायक कुंवर सिंह निषाद, गुण्डरदेही जपं. सभापति कौशल किशोर साहू, अन्य जनप्रतिनिधि एवं सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

खास खबर

वरिष्ठजनों का अनुभव और मार्गदर्शन समाज के लिए अनमोल धरोहर : विजय शर्मा

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

कवर्धा में छत्तीसगढ़ वरिष्ठ नागरिक कॉन्फेडरेशन के सातवें प्रादेशिक सम्मेलन का हुआ आयोजन



उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने कहा कि वरिष्ठजन समाज की अनमोल धरोहर हैं। उनका अनुभव, मार्गदर्शन, आशीर्वाद और जीवनभर का अर्जित ज्ञान पूरे समाज को दिशा देने का काम करता है। आज तेजी से बदलते सामाजिक परिवेश में वरिष्ठजनों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। उनके अनुभव और संस्कार समाज को संबल प्रदान करते हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा कबीरधाम जिले के पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित छत्तीसगढ़ वरिष्ठ नागरिक कॉन्फेडरेशन के सातवें प्रादेशिक सम्मेलन-2026 को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने श्रद्धनुभूतिप पत्रिका का विमोचन भी किया।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अनेक कार्यक्रमों में शामिल होने का अवसर मिलता है, लेकिन यह ऐसा आयोजन है, जहां वे कुछ देने नहीं, बल्कि वरिष्ठजनों से आशीर्वाद, प्रेरणा और मार्गदर्शन लेने आए हैं। उन्होंने कहा कि जीवन के लंबे अनुभव के बाद वरिष्ठजन परिवार और समाज के लिए उस ब्याज के समान हैं, जो मूल से भी अधिक प्रिय हो जाता है। उन्होंने कहा कि पहले लोग एक साथ बैठकर समय बिताते थे, लेकिन आज मोबाइल और सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव से सामाजिक मेलजोल कम हुआ है। तेजी से बदलते इस दौर में वरिष्ठजनों का अनुभव और संस्कार समाज को संबल प्रदान कर सकते हैं।

30 लाख रुपए की लागत से तैयार हो रहा सियान सदन

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि कवर्धा के वरिष्ठजनों की प्रेरणा और सुझाव पर शहर में सियान सदन का निर्माण प्रारंभ कराया गया है। इसके लिए लगभग 30 लाख रुपए का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि सियान सदन का निर्माण उसी स्थान पर कराया जा रहा है, जिसे वरिष्ठजनों ने स्वयं इसके लिए उपयुक्त बताया था। उन्होंने कहा कि सियान सदन वरिष्ठ नागरिकों के लिए समय बिताने, आपस में मिलने-जुलने और विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने का बेहतर केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि सियान सदन में वरिष्ठजन कैरम, शतरंज, अध्ययन और अन्य गतिविधियों के माध्यम से समय बिता सकेंगे। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा के लिए भविष्य में बैटरी चलित छोटे वाहन की व्यवस्था करने की योजना भी साझा की। इसके माध्यम से वरिष्ठजन फोन कर वाहन बुला सकेंगे और घर से सियान सदन आने-जाने की सुविधा प्राप्त कर सकेंगे।

वरिष्ठजनों की यादों में हमेशा जीवित रहता है बचपन

उप मुख्यमंत्री ने परिवार के भावनात्मक रिश्तों का उल्लेख करते हुए कहा कि मां के लिए बेटा उम्र में कितना भी बड़ा हो जाए, वह हमेशा उसका छोटा बच्चा ही रहता है। उन्होंने वरिष्ठजनों से आग्रह किया कि बचपन की प्यारी यादों को संजोकर रखें, क्योंकि यही यादें जीवन में प्रसन्नता और आत्मिक सुकून देती हैं। उन्होंने सम्मेलन के कवर्धा में आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आयोजकों को बधाई दी और वरिष्ठजनों को सियान सदन के निर्माण के बाद वहां भी इसी तरह सम्मेलन आयोजित करने के लिए आमंत्रित किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत कबीरधाम के अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, कॉन्फेडरेशन के प्रांतीय अध्यक्ष चंद्रप्रकाश देवरस, प्रांतीय महासचिव धनेश सोलंकी, डॉ. अतुल जैन, शुभंकर विश्वास और लालचंद जैन, आदित्य श्रीवास्तव सहित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए वरिष्ठ नागरिक एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।



श्री रामलला दर्शन योजना से साकार हो रहा हजारों श्रद्धालुओं का सपना, राजनांदगांव से अयोध्या धाम के लिए ट्रेन रवाना

मुख्यमंत्री साय की पहल से अब तक 64 विशेष ट्रेनों के माध्यम से लगभग 54 हजार 400 श्रद्धालुओं को मिला श्री रामलला के दर्शन का सौभाग्य

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव



छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी श्री रामलला दर्शन योजना प्रदेश के हजारों श्रद्धालुओं के लिए आस्था, विश्वास और आध्यात्मिक आनंद की अनुपम सौगात बन रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित इस योजना के माध्यम से प्रदेश के श्रद्धालुओं का अयोध्या धाम में प्रभु श्रीरामलला के दर्शन का सपना निरंतर साकार हो रहा है। इसी क्रम में 16 नवंबर को राजनांदगांव रेलवे स्टेशन से श्री रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत विशेष ट्रेन अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई। इस अवसर पर रेलवे स्टेशन का वातावरण श्रद्धा, भक्ति और उत्साह से सराबोर रहा। तीर्थयात्रियों के चेहरों पर प्रभु श्रीरामलला के दर्शन की खुशी और उत्सुकता स्पष्ट दिखाई दी।

राजनांदगांव रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अध्यक्ष नीलू शर्मा, राजनांदगांव के महापौर मधुसूदन यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण वैष्णव, कोमल सिंह राजपूत, पूर्व सांसद प्रदीप गांधी एवं खुबचंद पारख ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर विशेष ट्रेन को अयोध्या धाम के लिए रवाना किया। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने तीर्थयात्रियों को सुखद, मंगलमय और सफल यात्रा की शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित श्री रामलला दर्शन योजना प्रदेशवासियों की धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक भावनाओं से जुड़ी महत्वपूर्ण पहल है। इस योजना के माध्यम से श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम की यात्रा कर प्रभु श्रीरामलला के दर्शन करने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। भगवान श्रीराम का छत्तीसगढ़ से गहरा सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंध रहा है। छत्तीसगढ़ को भगवान श्रीराम का ननिहाल माना जाता है। यहां के जनजीवन, लोकपरंपराओं और सांस्कृतिक विरासत में भगवान श्रीराम के प्रति अगाध श्रद्धा समाहित है। ऐसे में श्री रामलला दर्शन योजना प्रदेश के श्रद्धालुओं के लिए विशेष महत्व रखती है।

राज्य सरकार की इस पहल से उन श्रद्धालुओं को भी अयोध्या धाम की यात्रा करने का अवसर मिल रहा है, जिनके लिए विभिन्न कारणों से स्वयं तीर्थयात्रा की व्यवस्था करना कठिन होता है। यह योजना श्रद्धालुओं की धार्मिक आकांक्षाओं को पूरा करने के साथ प्रदेश की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक परंपराओं को भी सशक्त बना रही है। श्री रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ से अयोध्या धाम की तीर्थयात्रा निरंतर जारी है। योजना के तहत अब तक कुल 64 विशेष ट्रेनों के माध्यम से लगभग 54 हजार 400 श्रद्धालु अयोध्या धाम पहुंचकर प्रभु श्रीरामलला के दर्शन का पुण्य लाभ प्राप्त कर चुके हैं।

यह उपलब्धि प्रदेश में योजना के व्यापक क्रियान्वयन और श्रद्धालुओं की धार्मिक आस्था को दर्शाती है। छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से श्रद्धालुओं को विशेष ट्रेनों के माध्यम से अयोध्या धाम की यात्रा कराई जा रही है। योजना के प्रति श्रद्धालुओं में लगातार उत्साह देखा जा रहा है। प्रदेश के हजारों श्रद्धालुओं के लिए अयोध्या धाम की यात्रा जीवन का अत्यंत महत्वपूर्ण आध्यात्मिक अनुभव है। प्रभु श्रीरामलला के दर्शन का अवसर मिलने से श्रद्धालुओं की वर्षों पुरानी अभिलाषा पूरी हो रही है।

दुर्ग रेलवे स्टेशन पर तीर्थयात्रियों का उत्साहपूर्ण स्वागत

राजनांदगांव से रवाना हुई श्री रामलला दर्शन विशेष ट्रेन के दुर्ग रेलवे स्टेशन पहुंचने पर तीर्थयात्रियों का उत्साहपूर्ण स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती बंजारा, जिला प्रशासन के अधिकारी तथा छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड, आईआरसीटीसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों ने तीर्थयात्रियों से मुलाकात कर उन्हें अयोध्या धाम की यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। श्रद्धालुओं में प्रभु श्रीरामलला के दर्शन को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया। यात्रा के दौरान तीर्थयात्रियों की सुविधा और आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए संबंधित विभागों एवं संस्थाओं द्वारा समन्वय किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की महत्वपूर्ण भूमिका

श्री रामलला दर्शन योजना के क्रियान्वयन में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। पर्यटन मंडल द्वारा आईआरसीटीसी तथा संबंधित जिला प्रशासन के समन्वय से तीर्थयात्रियों के संचालन और आवश्यक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने का कार्य किया जा रहा है। योजना का उद्देश्य श्रद्धालुओं को सुव्यवस्थित एवं सुविधाजनक तीर्थयात्रा का अवसर उपलब्ध कराना है। इसके लिए यात्रा संबंधी व्यवस्थाओं, श्रद्धालुओं की सुविधाओं और संबंधित संस्थाओं के बीच समन्वय पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अध्यक्ष नीलू शर्मा ने राजनांदगांव से विशेष ट्रेन को रवाना करने के अवसर पर श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम की मंगलमय यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रदेश के हजारों श्रद्धालुओं को श्री रामलला के दर्शन का अवसर मिलना योजना की महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत को जोड़ रही योजना

श्री रामलला दर्शन योजना केवल तीर्थयात्रा का माध्यम नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत और भगवान श्रीराम से जुड़े ऐतिहासिक संबंधों को सशक्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति में भगवान श्रीराम का विशेष स्थान है। प्रदेश की लोकपरंपराओं, धार्मिक आयोजनों और सांस्कृतिक जीवन में भगवान श्रीराम के प्रति गहरी आस्था देखने को मिलती है। अयोध्या धाम में श्रीरामलला के दर्शन की सुविधा उपलब्ध कराकर राज्य सरकार श्रद्धालुओं को इस आध्यात्मिक पर्यटन से जोड़ने का कार्य कर रही है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा धार्मिक पर्यटन और तीर्थयात्राओं से संबंधित गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। श्री रामलला दर्शन योजना प्रदेश में धार्मिक पर्यटन के विस्तार और श्रद्धालुओं को महत्वपूर्ण तीर्थस्थलों से जोड़ने की दिशा में विशेष महत्व रखती है।

श्रद्धा, विश्वास और भक्ति के साथ अयोध्या धाम की ओर रवाना हुए श्रद्धालु

राजनांदगांव से अयोध्या धाम के लिए विशेष ट्रेन की रवानगी प्रदेश के श्रद्धालुओं के लिए एक और यादगार अवसर बनी। रेलवे स्टेशन पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने तीर्थयात्रियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी सुखद यात्रा की कामना की। श्री रामलला दर्शन योजना के माध्यम से छत्तीसगढ़ के हजारों श्रद्धालुओं की वर्षों पुरानी मनोकामना पूरी हो रही है। योजना के अंतर्गत 64 विशेष ट्रेनों के माध्यम से लगभग 54 हजार 400 श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम में दर्शन का अवसर मिलना प्रदेश की धार्मिक पर्यटन यात्रा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित यह योजना प्रदेशवासियों की आस्था और विश्वास को साकार करते हुए छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत को नई ऊर्जा प्रदान कर रही है।

ग्राम पंचायत आटरा में वित्तीय समावेशन व डिजिटल सुरक्षा जागरूकता शिविर आयोजित

नई दृष्टिबिंदु / मोहला



जिला प्रशासन के निर्देशानुसार ग्रामीणों को बैंकिंग सुविधाओं से जोड़ने, वित्तीय साक्षरता बढ़ाने तथा डिजिटल लेन-देन को सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से विकासखंड मानपुर के ग्राम पंचायत आटरा में विशेष वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान एवं वित्तीय साक्षरता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिला अग्रणी बैंक के माध्यम से आयोजित इस शिविर में नाबार्ड के वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रामीणों को वित्तीय प्रबंधन और डिजिटल सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। शिविर में जिला सहकारी बैंक मर्यादित एवं ग्रामीण बैंक खडगांव के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

शिविर में वित्तीय साक्षरता सलाहकार रोहित कुमार पाल ने ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाओं के प्रभावी उपयोग, बचत की आदत विकसित करने और बेहतर वित्तीय प्रबंधन के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बजट निर्माण, बचत एवं निवेश, साविधि जमा (एफडी), आवर्ती जमा (आरडी), प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी), केवाईसी, क्रेडिट स्कोर, बैंकिंग करिस्पॉन्डेंट (बीसी), यूपीआई एवं एटीएम के सुरक्षित उपयोग की जानकारी दी। साथ ही प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के माध्यम से मिलने वाले सामाजिक सुरक्षा लाभों के बारे में भी ग्रामीणों को जागरूक किया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और बैंकिंग सुविधाओं, शासकीय बीमा योजनाओं तथा सुरक्षित डिजिटल लेन-देन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। इस पहल से ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय जागरूकता बढ़ाने, बैंकिंग सेवाओं की पहुंच मजबूत करने और साइबर अपराधों के प्रति सतर्कता विकसित करने में मदद मिलेगी।

डिजिटल लेन-देन के बढ़ते चलन के बीच साइबर अपराधों से बचाव पर विशेष जोर दिया गया। श्री पाल ने ग्रामीणों को डिजिटल अरेस्ट, ओटीपी फ्रॉड, नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी, एपीके फाइल के माध्यम से होने वाले साइबर अपराध तथा फर्जी पार्सल डिलीवरी के जरिए की जाने वाली धोखाधड़ी के तरीकों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी अथवा व्यक्तिगत विवरण साझा न करें और अनजान लिंक या मोबाइल एप्लीकेशन डाउनलोड करने से बचें। किसी भी प्रकार की साइबर वित्तीय धोखाधड़ी होने पर तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी गई।

शिविर में ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाओं से संबंधित समस्याओं एवं शिकायतों के निराकरण के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की एकीकृत लोकपाल योजना, टोल-फ्री नंबर 14448 तथा शिकायत प्रबंधन प्रणाली (सीएमएस) पोर्टल की जानकारी दी गई। इसके माध्यम से ग्रामीणों को अपने बैंकिंग अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और समस्या आने पर निर्धारित शिकायत निवारण व्यवस्था का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम भगवान बिरसा मुंडा का संघर्ष, साहस और बलिदान हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत - मंत्री यादव

जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास और उत्थान के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध -मंत्री गजेन्द्र यादव

नई दृष्टिबिंदु / मोहला



स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास और उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास, आजीविका संवर्धन एवं मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर कार्य कर रही है। शासन का उद्देश्य जनजातीय समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। मंत्री श्री यादव सोमवार को मोहला जिला मुख्यालय के मिनी स्टेडियम में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री यादव ने जनजातीय गौरव दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जीवन संघर्ष, साहस, स्वाभिमान और मातृभूमि के प्रति समर्पण का अद्वितीय उदाहरण है। उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध संघर्ष करते हुए जल, जंगल और जमीन की रक्षा तथा जनजातीय समाज के अधिकारों और सम्मान के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उनका त्याग और बलिदान देशवासियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा।

जनजातीय गौरव दिवस समारोह में स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने जनजातीय समाज के प्रमुखों एवं समाज के उत्थान और विकास में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर जनजातीय समाज के शहीद परिवारों को शॉल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया। मंत्री श्री यादव ने शहीदों के बलिदान और उनके परिवारों के त्याग एवं समर्पण को नमन किया। समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्कूली छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री यादव ने कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों एवं प्रदर्शनियों का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों से जनजातीय समाज के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी ली। मंत्री श्री यादव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करते हुए प्रत्येक पात्र हितग्राही तक उनका लाभ पहुंचाया जाए। इस अवसर पर उन्होंने पात्र हितग्राहियों को विभिन्न विभागीय योजनाओं से लाभान्वित भी किया। कार्यक्रम में जनजातीय समाज की समृद्ध लोकसंस्कृति, कला और परंपराओं पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक प्रस्तुतियां दी गईं। कलाकारों ने पारंपरिक लोकनृत्य एवं लोकगीतों के माध्यम से जनजातीय संस्कृति की मनमोहक झलक प्रस्तुत की। इन प्रस्तुतियों को उपस्थित जनसमुदाय ने खूब सराहा।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नम्रता सिंह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष भोजेश शाह मंडावी, कलेक्टर श्रीमती तनुजा सलाम, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह, डीएफओ अभिनव कुमार, जिला पंचायत सीईओ उज्जवल पोरवाल, सहित अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधि जनजातीय समाज के प्रमुख, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ की समृद्ध हस्तशिल्प परंपरा को राष्ट्रपति भवन में मिला सम्मान, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मिले छग के शिल्पकार





छत्तीसगढ़ प्रदेश की जीवंत हस्तशिल्प परंपरा को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करने की महत्वपूर्ण पहल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ की शिल्प परंपरा और पीढ़ियों से संजोए गए हुनर को सोमवार को राष्ट्रपति भवन में विशेष पहचान मिली। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने प्रदेश के कोंडागांव और रायगढ़ से पहुंचे 50 बेलमेटल शिल्पकारों से मुलाकात की। पारंपरिक बेलमेटल शिल्पकला को जीवंत बनाए रखने वाले इन कलाकारों के लिए यह एक गौरवपूर्ण अवसर रहा। राष्ट्रपति भवन में हुई इस विशेष मुलाकात ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, पारंपरिक कारीगरी और शिल्पकारों की पीढ़ियों की साधना को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी राजपूत और सचिव श्री राजेश सिंह राणा भी उपस्थित रहे।



राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड के अंतर्गत पंजीकृत कोंडागांव एवं रायगढ़ के बेलमेटल शिल्पकारों से भेंट करने की इच्छा व्यक्त की थी। इसी क्रम में शिल्पकारों का प्रतिनिधिमंडल नई दिल्ली पहुंचा और राष्ट्रपति से मुलाकात की। छत्तीसगढ़ की बेलमेटल कला, विशेष रूप से बस्तर की प्रसिद्ध ढोकरा शिल्प परंपरा, अपनी विशिष्ट निर्माण शैली और बारीक कारीगरी के लिए जानी जाती है। धातु से तैयार देवी-देवताओं, पशु-पक्षियों, लोकजीवन और पारंपरिक आकृतियों में प्रदेश की जनजातीय संस्कृति की गहरी छाप दिखाई देती है। कोंडागांव के शिल्पकार पीढ़ियों से इस कला को संरक्षित करते हुए अपनी विशिष्ट पहचान बनाए हुए हैं।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति भवन में देश के विभिन्न क्षेत्रों के पारंपरिक कलाकारों और शिल्पकारों को अपनी कला एवं सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करने के अवसर मिलते रहे हैं। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ के शिल्पकारों की यह मुलाकात प्रदेश की जीवंत हस्तशिल्प परंपरा को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करने की महत्वपूर्ण पहल है। यह अवसर उन शिल्पकारों के लिए विशेष महत्व रखता है, जो पीढ़ियों से प्राप्त पारंपरिक ज्ञान, कौशल और कलात्मक विरासत को आज भी जीवंत बनाए हुए हैं। राष्ट्रपति भवन तक उनकी पहुंच छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक समृद्धि और पारंपरिक कारीगरी की विशिष्ट पहचान को रेखांकित करती है।

कोसला की धरती पर राज्य सम्मान प्राप्त वरिष्ठ साहित्यकार पारकर का हुआ भव्य अभिनंदन



माता कौसल्या की जन्मस्थली में पारकर को गांव वालों ने दिया भरपूर स्नेह, रेखांकित किया योगदान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

माता कौशल्या की जन्मस्थली के रूप में जांजगीर-चांपा जिले में पामगढ़ के समीप स्थित ग्राम कोसला को मान्यता दिलाने अथक योगदान देने वाले वरिष्ठ साहित्यकार दुर्गा प्रसाद पारकर के कार्यों को रेखांकित करते हुए ग्रामवासियों ने भव्य अभिनंदन किया। हाल ही में छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के दौरान श्री पारकर को शासन ने लाला जगदलपुरी साहित्य सम्मान से विभूषित किया है। इस उपलब्धि को देखते हुए ग्रामीणों ने उनका भव्य अभिनंदन किया और उन्हें गांव से आयोजन स्थल तक भव्य स्वागत सत्कार के साथ ले गए।

ग्राम कोसला की पावन धरती पर 15 नवंबर को यह समारोह आयोजित किया गया। उल्लेखनीय है कि साहित्यकार दुर्गा प्रसाद पारकर ने 20 जुलाई 2025 को माता कौसल्या की जन्मस्थली ग्राम कोसला के ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व को व्यापक रूप से सामने लाने के उद्देश्य से भिलाई स्थित सी.ए. बिल्डिंग में एक भव्य आयोजन किया था। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि लोकसभा सांसद विजय बघेल उपस्थित थे।

सांसद विजय बघेल के माध्यम से दुर्गा प्रसाद पारकर द्वारा संकलित माता कौसल्या की जन्मस्थली से संबंधित प्राचीन प्रमाण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक पहुँचाए गए। इस आयोजन के माध्यम से उन्होंने ग्राम कोसला की सांस्कृतिक पहचान, माता कौसल्या से संबंधित मान्यताओं तथा छत्तीसगढ़ की गौरवशाली परंपरा को जनमानस तक पहुँचाने का महत्वपूर्ण प्रयास किया।

उनके इस प्रयास ने ग्राम कोसला के ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व के प्रति जनमानस में रुचि और सांस्कृतिक चेतना को नई दिशा प्रदान की। माता कौसल्या की जन्मस्थली को व्यापक पहचान दिलाने तथा छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक एवं धार्मिक विरासत को प्रतिष्ठित करने में उनके योगदान के दृष्टिगत ग्राम कोसला में किया गया सम्मान विशेष महत्व रखता है। इस अवसर पर दुर्गा प्रसाद पारकर के साथ ग्राम कोसला पहुँचे उनके सहयोगियों कुलेश्वर प्रसाद निषाद, भरत राणा, हरिशंकर वर्मा, शैलेन्द्र कुमार पारकर एवं हनी पटेल का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में कोसला धाम सेवा संस्थान, महिला कमांडो समूह, कर्मा सेवा समिति एवं ग्रामवासियों द्वारा अतिथियों का आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया।

इस गौरवपूर्ण आयोजन में गौरव तिवारी, अशोक साहू, दुर्गेश्वर तिवारी, कनक साहू, फिरत कुर्मी, कन्हैया साहू, आनंद सिंह कंवर, हुलेश साहू, बसंत साहू, सीताराम पटेल, देव साहू, योगेश साहू एवं अवधेश साहू सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त ग्राम सरपंच राजकुमार नारंगे, जनपद अध्यक्ष रंजना मानेश जांगड़े, उपाध्यक्ष रूपचंद साहू, संतोष लहरे एवं मनोबल सिंह सहित समस्त कोसला धाम वासी एवं ग्रामीण जन कार्यक्रम में शामिल हुए।

नशे में रॉन्ग साइड चला रहा था आइशर, हाइवे पेट्रोलिंग ने रोका

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग



नेशनल हाइवे पर रॉन्ग साइड से आ रहे नशे में धुत आइशर चालक को हाइवे पेट्रोलिंग टीम ने पकड़कर बड़ा हादसा टाल दिया। जांच में चालक 212 एमजी शराब पिए हुए मिला।

पुलिस के अनुसार हाइवे पेट्रोलिंग-02 टीम शनिवार रात पेट्रोलिंग पर थी। इसी दौरान एनएच पर रॉन्ग साइड से आते एक आइशर वाहन को रोका गया। चालक के हाव-भाव से नशे का संदेह होने पर जोन प्रभारी आकाश गंगा को सूचना दी गई। ब्रेथ एनालाइजर से जांच में शराब सेवन की पुष्टि हुई। पुलिस ने वाहन जब्त कर मामला न्यायालय भेज दिया है। एसएसपी दुर्ग के निर्देश पर हाइवे पर लगातार पेट्रोलिंग की जा रही है। पुलिस ने बताया कि पिछले 10 महीनों में हाइवे पेट्रोलिंग टीम ने 71 घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया है, जाम हटवाया है और खराब वाहनों को क्रेन से हटवाकर यातायात सुचारू कराया है। इसके अलावा 32 गंभीर मरीजों के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाकर समय पर अस्पताल पहुंचाने में मदद की है। यातायात पुलिस ने अपील की है कि नशे में वाहन न चलाएं और रॉन्ग साइड ड्राइविंग से बचें।

एडवर्ड पार्क जमीन विवाद में नया मोड़, खरीदार ने विक्रेता और अधिकारियों के खिलाफ खोला मोर्चा

सरकारी दस्तावेजों पर भरोसा करना पड़ा भारी, 15 दिन का अल्टीमेटम

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

एडवर्ड पार्क की विवादित जमीन पर मकान बनाकर रह रहे खरीदार ओमप्रकाश झा ने अब कानूनी लड़ाई का ऐलान किया है। जिला पत्रकार संघ भवन में आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने जमीन विक्रेता रिचा जैन, उनके पति अजय जैन सहित राजस्व और नगरीय निकाय के तत्कालीन अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठाए।

श्री झा ने बताया कि उन्होंने पुश्तैनी संपत्ति बेचकर पत्नी के नाम पर 1200 वर्गफीट जमीन खरीदी और जीवनभर की कमाई से मकान बनवाया। खसरा नकल, नामांतरण, रजिस्ट्री और नगर पालिका से भवन अनुज्ञा सहित सभी दस्तावेज और बिजली कनेक्शन भी मिला। अब जमीन को शासकीय बताकर अवैध प्लाटिंग का मामला सामने आने से उनका निवेश संकट में है। उन्होंने कहा कि यदि जमीन शासकीय थी तो खसरा नकल, नामांतरण, रजिस्ट्री और निर्माण अनुमति कैसे दी गई। आम नागरिक सरकारी दस्तावेजों पर भरोसा कर निवेश करता है, इसकी जिम्मेदारी केवल खरीदार पर नहीं डाली जा सकती।



झा ने मांग की है कि उनके भूखंड को विवाद से अलग किया जाए, अन्यथा खरीदी से निर्माण तक की पूरी क्षतिपूर्ति दी जाए। विक्रेता रकम लौटा दे तो वे जमीन छोड़ने को तैयार हैं। इसके लिए 15 दिन का नोटिस देंगे। बताया कि विवादित भूमि को 22 भूखंडों में बेचा गया है, जिससे अन्य खरीदार भी प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि 15 दिन में समाधान नहीं हुआ तो एसपी को आवेदन देकर धोखाधड़ी का केस दर्ज कराने और तत्कालीन आरआई, पटवारी, एसडीएम, सीएमओ और रजिस्ट्रार की भूमिका की जांच की मांग करेंगे।

राष्ट्रीय मंच पर भिलाई के सुनील चौरसिया को बड़ी जिम्मेदारी, छत्तीसगढ़ चैप्टर के प्रभारी नियुक्त

केरल में आयोजित 13वें फहअ राष्ट्रीय सम्मेलन में मिला बेस्ट एसोसिएशन सम्मान, सांसद विजय बघेल ने दी बधाई

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई



भिलाई के तालपुरी बी ब्लॉक रेजिडेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सुनील कुमार चौरसिया को राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है। उन्हें रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन्स की शीर्ष संस्था कॉन्फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन्स (कोरवा) के छत्तीसगढ़ चैप्टर का प्रभारी नियुक्त किया गया है।

यह नियुक्ति 14-15 नवंबर को केरल के एर्नाकुलम में आयोजित फहअर के 13वें राष्ट्रीय सम्मेलन में की गई। सम्मेलन का उद्घाटन केरल के उच्च शिक्षा मंत्री रोजी एम. जॉन ने किया, जिसमें एर्नाकुलम सांसद हिबी ईडन भी मौजूद रहे। सम्मेलन का आयोजन कोरवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर चक्र विजेता कर्नल तेजेंद्र पाल त्यागी के नेतृत्व में हुआ। इसका केंद्रीय विषय विकसित भारत 2047 में फहअर की भूमिका रहा।

सम्मेलन में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करने के लिए सुनील चौरसिया को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। वहां उनकी एसोसिएशन को बेस्ट एसोसिएशन के सम्मान से नवाजा गया और उन्हें मोमेंटो प्रदान किया गया।

उनकी इस उपलब्धि पर दुर्ग सांसद विजय बघेल ने बधाई दी है। कॉलोनी लौटने पर डॉ. लक्ष्यप्रद, राजू पवार, पायल पवार, राम नारायण साहू सहित बड़ी संख्या में कॉलोनीवासियों ने उनका स्वागत किया। उपाध्यक्ष डॉ. लक्ष्यप्रद ने कहा कि यह सम्मान उनके सामाजिक योगदान और सक्रिय नेतृत्व का परिणाम है, जो पूरे प्रदेश के लिए गर्व की बात है।

भिलाई में 17 से 25 नवंबर तक श्रीराम कथा, चिन्मयानंद बापू सुनाएंगे रामचरित्र

सेक्टर-1, सड़क 11 के सामने ग्राउंड में आयोजन, पार्षद विनोद सिंह ने दिया आमंत्रण

भिलाई। मयादां पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्शों और जीवन मूल्यों पर आधारित भव्य श्रीराम कथा का आयोजन भिलाई में होने जा रहा है। नगर निगम भिलाई के जिलामंत्री एवं पार्षद विनोद सिंह ने बताया कि विश्वविख्यात कथावाचक पूज्य चिन्मयानंद बापू जी के श्रीमुख से श्रीराम कथा का आयोजन 17 से 25 नवंबर 2026 तक किया जाएगा। कथा स्थल सेक्टर-1, सड़क नंबर 11 के सामने ग्राउंड, सेंट्रल एवेन्यू रोड, भिलाई है। विनोद सिंह ने सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से सपरिवार पधारकर पुण्य लाभ लेने की अपील की है।







"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100